संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक-013/रायगढ़/2020-2022

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -126 मंगलवार ,07 मार्च 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पेश किया भरोसे का बजट

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की जनता को दी ढेर सारी राहत

- बेरोजगारी भत्ते का ऐलान
- आंगनबाड़ी,रसोइयों से कोटवार तक मानदेय में वृद्धि
- हर वर्ग के लिए सीएम ने खोला पिटारा
- ग्राम पटेल के मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान

रायपुर,06 मार्च 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि हम जनता की कसौटी पर खरे उतरे है। गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के जिस ध्येय वाक्य के साथ हमने अभूतपूर्व कार्य किये हैं। धान के कटोरे को धन का कटोरा बनाया है। उन्होंने गोधन योजना से लेकर विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि देश में यह योजना छत्तीसगढ़ मॉडल के रूप में पहचान बना चुकी है। केंद्र सरकार ने भी सराहना की है। उन्होंने बजट में बेरोजगारी भत्ते, मानदेय में वृद्धि सहित कई राहतों का ऐलान किया। अब कन्या विवाह योजना में 50 हजार की राशि दी जाएगी। पत्रकार गृह निर्माण में भी सरकार ने मदद का ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बजट भाषण में कहा कि 18 से 35 वर्ष के बेरोजगार युवा जिनके परिवार की वार्षिक आय ढाई लाख से कम है,उन्हें 25 सौ रुपये बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का भत्ता 6500 से बढाकर 10 हजार किया गया है। आंगनबाड़ी सहायिकाओं का 3550 से बढ़ाकर 5 हजार किया गया है। मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर से दुर्ग तक लाइट मेट्रो की घोषणा बजट में की है। राज्य में 101 नवीन स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले जाएंगे। मनेंद्रगढ़, जांजगीर, कवर्धा और गीदम में नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे।

बजट की बड़ी घोषणाएं

* शिक्षित बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने की नई योजना शुरू की जाएगी।
* 25 सौ रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता दो वर्ष तक दिया जाएगा।
* आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में की गई बढ़ोतरी।10 हजार रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा
* मध्यान भोजन के अंतर्गत रसोइयों के मानदेय में की गई वृद्धि मध्यान भोजन के रसोईया का 1800
* ग्राम पटेल को दिए जा रहे 2 हजार रुपये को 3 हजार करने की घोषणा
* राज्य के पर्व त्योहार, आपत्ति विपत्ति में सहयोग करने वाले होम गार्ड के मानदेय में वृद्धि
* मुख्यमंत्री कन्या विवाह सहायता राशि में बढ़ोतरी

25000 की जगह 50 हजार

* रीपा का शहरी क्षेत्र में भी स्थापना
* मनेन्द्रगढ़, जांजगीर- चांपा, कबीरधाम में नवीन मेडिकल कॉलेज।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बजट भाषण में कहा कि चालू वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत वृद्धि का अग्रिम अनुमान है। केंद्र के 4.1प्रतिशत की तुलना में 4.8 की दर से वृद्धि का अनुमान है।राज्य की वृद्धि दर केंद्र से अधिक अनुमानित हैं। प्रति व्यक्ति आय 2022-23 में बढ़ोतरी, 1,33,498 रुपए का अनुमान है।

भरोसे के बजट में सरगुजा जिले को मिले कई सौगात

- बजट ब्रीफकेस में झलक अम्बिकापुर गोठान का चित्र
- संभाग मुख्यालय में बनेगा अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों के लिए 100-100 सीटर छात्रावास
- नवीन मानसिक चिकित्सालय तथा ई-चिकित्सालय की होगी स्थापना
- किसान सुविधा केन्द्र की होगी स्थापना,उदयपुर में एसडीएम कार्यालय भवन का निर्माण

डॉ. रमन का तंज.बोले–धोखे का बजट

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मौजूदा सरकार का आखरी बजट पेश कर दिया है। छत्तीसगढ़ की जनता के लिए कोई नया कर नहीं लागू होगा। नवा रायपुर से दुर्ग तक लाइट मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। पेंशन राशि बढ़ा दी गई है के साथ बेरोजगारी भत्ता बढ़ाकर 250 करोड़ रुपए किया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बोले, हमने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। वहीं छत्तीसगढ़ में बजट को लेकर सियासत शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने कहा कि 2 साल का बकाया बोनस, शराबबंदी की घोषणा, 200 फूड पार्क, कर्मचारियों का नियमितीकरण, पत्रकारों के लिए सुरक्षा कानून सब नदारत हैं। अंत में उन्होंने लिखा कि यह बजट घोषणापत्र पर नहीं बल्कि सिर्फ चुनाव पर आधारित है। इतना ही नहीं धोखे का बजट करार दिया है।

मैं बजट में 10 में से शून्य नंबर दूंगा : चंदेल

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने भी बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट केवल चुनावी झुनझुना है। बजट से किसी को कुछ हासिल नहीं होने वाला। बेरोजगारी भत्ता देने का ऐलान किया, सरकार के छह महीने बचे है किसको क्या देंगे। मैं बजट में 10 में से शून्य नंबर दूंगा।

कांग्रेस सरकार के बजट को अविश्वास का बजट : मूणत

बीजेपी प्रवक्ता और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ट्वीट करते हुए कांग्रेस सरकार के बजट को अविश्वास का बजट बताया। साथ ही लिखा कि अपना अंतिम बजट पेश कर रहे भूपेश बघेल जी पिछले बजट में किये प्रावधानों, घोषणाओं को अमलीजामा पहना नहीं सके। चुनाव से चंद महीने पहले कुछ करने की उम्मीद करना बेमानी है यानि सिर्फ घोषणाएं ही होंगी।

आम जनता की तरक्की,खुशहाली और समृद्धि का बजट

आज प्रस्तुत छत्तीसगढ़ बजट 2023-24 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि यह बजट अर्थव्यवस्था की मजबूती, बेहतर वित्तीय अनुशासन और कुशल प्रबंधन का बेहतरीन नमूना है। भविष्य की ठोस बुनियाद के साथ आम जनता की समृद्धि और सभी वर्गों के कल्याण तथा रोजगार मूलक विकास कार्यों के लिए सार्थक और सुदृढ़ प्रयास है। ग्रामीण क्षेत्र एवं सामाजिक सुरक्षा के साथ शिक्षित बेरोजगारों को ₹2500 प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान। राजीव गांधी किसान न्याय योजना में इनपुट सब्सिडी के लिए₹ 6800 करोड़ का प्रावधान किया गया है। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का नगर पंचायत क्षेत्रों के लिये विस्तार। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि में 43 प्रतिशत की वृद्धि (प्रतिमाह ₹500 की गई है)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की राशि दुगुनी कर दी गयी है। छात्रवृत्ति की राशि 1000 से बढ़ाकर 1500 रू. प्रतिमाह और छात्रावास के विद्यार्थियों को भोजन सहायता योजना के तहत दी जानी वाली राशि 700 से बढ़ाकर 1200 रू. प्रतिमाह किया जाना प्रशंसनीय है।

भरोसे का नहीं,मुख्यमंत्री बघेल के विदाई का अंतिम बजट है

पूर्व विधानसभाध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बजट पूर्व दिये गये संदेश पर प्रतिक्रिया देते कहा कि, कांग्रेस की सरकार ने राज्य के विकास पर जरा भी ध्यान नहीं दिया। हर बार केवल सत्ता के आनंद को समर्पित बजट रहा है। राज्य में पहली देखा जा रहा है कि बजट पेश करने से बजट पर विज्ञापनों से शहर सजा दिया गया है। कथित तौर पर कहा जा रहा है कि भरोसे का बजट है। कांग्रेस की सरकार प्रदेश की जनता का भरोसा उठ चुका है। ये बजट तो कांग्रेस के विदाई का बजट है।

जनता का भरोसा तोड़ने वाला बजट : बृजमोहन

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह जनता का भरोसा तोड़ने वाला, अविश्वसनीय बजट है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस सरकार ने लगातार झूठे वादे करके साढ़े 4 साल तक राज कर लिया है। अब यह सरकार मृत्यु शैया में हैं। ऐसी चला चली की बेला में इनकी बातें विश्वास करने योग्य नहीं है। इस बजट में किसी भी वर्ग के लिए कुछ भी नया नहीं किया गया है। गांव, गरीब और किसानों को पुनः ठगने का काम भूपेश बघेल ने किया है। आप देखेंगे कि छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए बजट में उन्होंने कुछ भी नहीं कहा है। केवल ₹2500धान की कीमत वह भी मोदी सरकार के भरोसे दे देने से किसानों का भला नहीं होगा। अगर गांव की सड़क नहीं बनेगी, गांव के अस्पताल नहीं बनेंगे, वहां डॉक्टर नहीं रहेंगे, स्कूल नहीं होंगे, सिंचाई के लिए खेतों तक पानी नहीं पहुंचेगा, नकली खाद किसानों को देते रहेंगे तो कैसे गांव और गरीब किसान का उत्थान होगा।

बिहारियों पर हमले की अफवाह फैलाने के आरोप में जमुई का युवक गिरफ्तार

- अब तक 4 लोगों पर एफआईआर दर्ज

पटना,06मार्च2023(ए)। बिहार पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि तमिलनाडु में अप्रवासी बिहारियों के साथ हिंसा की अफवाह जानबूझकर साजिश के तहत फैलाई गई। इंटरनेट मीडिया पर सुनियोजित तरीके से भ्रामक और भड़काने वाले फोटो, वीडियो और मैसेज आदि डालकर लोगों के बीच भय का माहौल पैदा किया गया, जिससे विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की संभावना है।

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के थाने में इस मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस उपाधीक्षक स्तर के पदाधिकारी के द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पोर्टल के संचालकों पर भी प्राथमिकी

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें जमुई के अमन कुमार, यूट्यूब पर पोर्टल चलाने वाले मनीष कश्यप व राकेश तिवारी के साथ ट्विटर यूजर युवराज सिंह राजपूत शामिल हैं।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जमुई से अमन कुमार को गिरफ्तार भी कर लिया है, उसके पास से कई आपत्तिजनक पोस्ट एवं मोबाइल में साक्ष्य मिले हैं। इसकी जांच की जा रही है।

वहीं, एक अन्य अभियुक्त युवराज सिंह राजपूत पहले से भोजपुर के नारायणपुर थाना कांड मामले में वांछित है, उसके द्वारा छपरा के मुबारकपुर घटना के बाद भी आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने के साक्ष्य मिले हैं।

ईओयू ने जारी किया प्रिजर्वेशन नोटिस

आर्थिक अपराध इकाई के द्वारा तमिलनाडु प्रकरण से जुड़े पोस्ट को लेकर अलग-अलग इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म को प्रिजर्वेशन नोटिस जारी किया गया है।

तमिलनाडु मामले पर मनोज झा बोले- भाजपा की फर्जी न्यूज फैक्ट्री हो बंद, मनगढ़ंत एजेंडे के तहत फैलाई अफवाह

इसके तहत ट्विटर और यूट्यूब पर 15-15, फेसबुक पर नौ और जीमेल पर तीन भ्रामक पोस्ट किए जाने को लेकर नोटिस जारी की गई है। इसके तहत इंटरनेट मीडिया पर संबंधित लिंक और विवादित पोस्ट का पूरा साक्ष्य तीन माह तक सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि जांच के क्रम में विधिसम्मत कार्रवाई की जा सके।

भ्रामक व झूठे वीडियो शेयर करने पर होगी कार्रवाई

बिहार पुलिस ने एक बार फिर दोहराया कि तमिलनाडु में बिहारियों पर हमले के प्रसारित वीडियो पुराने हैं। हत्या कर लटकाए जाने वाले वीडियो की जांच में मालूम हुआ कि यह किसी के आत्महत्या की पुरानी घटना है, जिसका किसी बिहार के निवासी से संबंध नहीं है।

इसी तरह एक अन्य वीडियो झारखंड और बिहार के बीच एक व्यक्ति के आपसी विवाद को लेकर है। इस घटना में तमिलनाडु का तमिलनाडु के किसी व्यक्ति से कोई सरोकार नहीं है। पुलिस मुख्यालय ने लोगों से अपील की है कि वह किसी भी भ्रामक और झूठे वीडियो पर विश्वास नहीं करें। इसको इंटरनेट मीडिया पर फारवर्ड या शेयर भी न करें। ऐसे वीडियो बनाने से लोगों की भावनाएं भड़क सकती हैं और उन्माद उत्पन्न हो सकता है, जो कानूनन अपराध है।

तमिलनाडु गई टीम की जांच में भी भ्रामक खबर की बात आई सामने

प्रवासी बिहारियों पर हमले की जांच को लेकर तमिलनाडु गई चार सदस्यीय अफसरों की टीम ने सोमवार को भी अधिकारियों और लोगों से मिलकर बातचीत की।

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, अफसरों की शुरुआती जांच में भी भ्रामक खबरों को आधार बनाकर ही अफवाह फैलाए जाने की बात सामने आ रही है। इस बिंदु पर मजदूरों के संगठनों से भी बात की गई है। अफसरों की टीम बिहार लौटकर राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

सिर्फ अनुबंध के उल्लंघन से नहीं बनता धोखाधड़ी का आपराधिक मामला

नई दिल्ली, 06मार्च2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सिर्फ अनुबंध के उल्लंघन भर से आपराधिक मुकदमा चलाने का मामला नहीं बनता, इसके लिए लेनदेन की बिल्कुल शुरुआत से ही बेईमानी का इरादा प्रदर्शित करना होगा। जस्टिस एएस ओका और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि सिर्फ वादा निभाने की विफलता का आरोप लगाना आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

एफआइआर को रद करने से इन्कार किया

शीर्ष अदालत ने ये टिप्पणियां पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को खारिज करते हुए कीं। हाई कोर्ट ने जमीन बिक्री के एक मामले में एक व्यक्ति के विरुद्ध आइपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), धारा 120बी (आपराधिक साजिश) और धारा 506 (धमकाना) के तहत दर्ज एफआइआर को रद करने से इन्कार कर दिया था।

सत्येंद्र जैन से 300 मीटर दूर रहेंगे सिसोदिया

- मिलेंगी जरूरत की चीजें; ऐसी होगी दिनचर्या

नई दिल्ली,06मार्च2023(ए)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (क्क) के नेता मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कोर्ट से उन्हें करीब साढ़े तीन बजे जनकपुरी के रास्ते गेट नंबर-4 से तिहाड़ जेल लाया गया। बता दें कि दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी इसी जेल में बंद हैं। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था।

सत्येंद्र जैन और सिसोदिया की जेलों के बीच की दूरी मीटर है। जैन जेल नंबर-7 में हैं, तो सिसोदिया जेल नंबर-1 में रहेंगे। दोनों की जेल में 300 मीटर की दूरी है।

जेल ले जाते समय सिसोदिया की ड्योढ़ी पर फोटोग्राफी, अन्य जानकारी दर्ज करने के बाद स्वास्थ्य जांच की गई। पूरी प्रक्रिया के बाद उन्हें जेल में प्रवेश मिला। सिसोदिया को रोजमर्रा से जुड़ी जरूरत के लिए एक किट दी जाएगी, जिसमें पेस्ट, ब्रश, साबुन, तेल, तौलिया सहित अन्य जरूरी सामान होता है।

जेल में ऐसी होगी पूर्व डिप्टी सीएम की दिनचर्या

जेल में सिसोदिया की दिनचर्या की शुरुआत सुबह छह बजे शुरु होगी। जेल के नियमों के अनुसार, सुबह छह बजे से शाम सात बजे तक उन्हें उन तमाम प्रक्रियाओं का सामना करना होगा जो अन्य कैदी करते हैं। छह बजे तक सोकर उठने के बाद सुबह सात बजे वे अपनी बैरक से बाहर निकलकर कैदियों की गिनती में शामिल होंगे।

जेल अधिकारियों के अनुसार, सिसोदिया को कोर्ट द्वारा दी गई सुविधाओं के अतिरिक्त जेल में किसी भी तरह की विशेष सुविधा नहीं दी जाएगी। वे जेल में एक सामान्य कैदी की तरह रहेंगे और सभी नियमों का पालन करेंगे। उनकी प्रत्येक गतिविधि पर जेल प्रशासन की पैनी नजर रहेगी।

हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान बाल-बाल बचे येदियुरप्पा

- पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

नई दिल्ली ,06मार्च2023(ए)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता बीएस येदियुरप्पा आज हेलीकॉप्टर का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। पॉयलट ने सूझबूझ दिखाई और बड़ा हादसा होने से टल गया। बीएस येदियुरप्पा चुनाव प्रचार के लिए कर्नाटक के अलग-अलग हिस्सों में पहुंच रहे हैं और सोमवार को वो कलबुर्गी पहुंचे। लेकिन, प्रशासन की गलती से हेलीकॉप्टर लैंडिंग के समय बड़ा हादसा होते-होते बच गया।

ये हादसा उस समय हुआ जब कलबुर्गी में बीएस येदियुरप्पा का हेलीकॉप्टर लैंड कर रहा था, तभी हेलीकॉप्टर के ब्लेड की वजह से धुएं का तूफान आ गया। हेलीकॉप्टर के पंखे की तेज हवा से पास बनी झुग्गी झोपड़ियों पर लगे प्लास्टिक और आस पास के कूड़े का ढेर इतनी तेजी से ऊपर उड़ने लगा कि बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। पायलट को ऐन वक्त पर लैंडिंग टालनी पड़ी। पायलट ने समझदारी दिखाई और स्थिति को भांपते हुए दोबारा हेलीकॉप्टर को ऊपर की तरफ ले लिया। करीब आधा घंटा तक हेलीकॉप्टर हवा में ही रहा। बाद में मौजूद पुलिस बल ने आसपास की जगह को साफ करवाया, तब हेलीकॉप्टर को लैंड कराया जा सका।

आईएएस अफसर के विवादास्पद वीडियो क्लिप ने मचाई हलचल

- ये हरकत करते कैमरे में हुए कैद

रांची,06मार्च2023(ए)। 22 सेकेंड के एक वीडियो क्लिप ने झारखंड में ब्यूरोक्रेसी से लेकर सियासत तक के गलियारों में हलचल मचा दी है। यह वीडियो क्लिप मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का का है, जिसमें वह कथित तौर पर एक बिल्डर विशाल चौधरी के निजी दफ्तर में बैठकर सरकारी फाइल निपटा रहे हैं। वीडियो क्लिप सामने आने के बाद राज्य सरकार ने देर शाम एक नोटिफिकेशन जारी कर उन्हें मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव पद से हटा दिया।

एक्का गृह विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के भी प्रधान सचिव थे। उन्हें इन पदों से भी हटाते हुए अब पंचायती राज विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। यह वीडियो क्लिप रविवार को भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में जारी किया। उन्होंने आईएएस राजीव अरुण एक्का और राज्य सरकार पर गंभीर सवाल खड़ा किया।

उन्होंने दावा किया कि इस वीडियो में एक्का एक पावर ब्रोकर के निजी दफ्तर में न सिर्फ फाइल निपटा रहे हैं, बल्कि वहां मौजूद एक व्यक्ति से पैसे की लेनदेन की भी चर्चा कर रहे हैं। वीडियो में उसकी बात साफ सुनी जा सकती है। इस वीडियो में आईएएस राजीव अरुण एक्का के बगल में एक महिला खड़ी होकर फाइल पलट रही है। यह महिला विशाल चौधरी की स्टाफ बताई जा रही है। ईडी ने झारखंड की पूर्व माइन्स सेक्रेटरी पूजा सिंघल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में बीते साल 24 मई को विशाल चौधरी के पांच ठिकानों पर भी छापामारी की थी।

संपादकीय

हिमंत बिस्वा सरमा का महत्व बढ़ेगा

असम के मुख्यमंत्री और नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक एलायंस यानी नेडा के प्रमुख हिमंता बिस्वा सरमा का कद और बढ़ेगा। उन्होंने दावा किया था कि पूर्वोत्तर के तीनों राज्यों में एनडीए की सरकार बनेगी। उनका दावा पूरी तरह से सही साबित हुआ है। त्रिपुरा में जैसे तैसे ही सही लेकिन भाजपा ने बहुमत हासिल कर लिया है। हालांकि भाजपा और उसकी सहयोगी आईपीएफटी दोनों को सीटों का नुकसान हुआ है। लेकिन सरकार बनाने लायक बहुमत मिल गया है। चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदलने का दांव भी कारगर साबित हुआ है। इसी तरह नगालैंड में भी एनडीपीपी और भाजपा का गठबंधन जीत गया। त्रिपुरा से उलट नगालैंड में दोनों पार्टियों की सीटें पहले से बढ़ी हैं। भाजपा को भी दो सीट का फायदा हुआ है तो एनडीपीपी को भी सात सीट का फायदा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि भाजपा सिर्फ 20 सीटों पर लड़ी थी और 15 जीत गई। यब 88 फीसदी ईसाई आबादी वाला राज्य है।

मेघालय में सबको पता था कि भाजपा बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। चुनाव से ऐन पहले कोनरेड संगमा की एनपीपी ने तालमेल तोड़ लिया था और भाजपा अकेले 60 सीटों पर लड़ी थी। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि योजना के तहत तालमेल तोड़ा गया था ताकि भाजपा की राजनीति से एनपीपी को नुकसान न हो। तभी एनपीपी की सीटों में सात सीट का इजाफा हो गया और भाजपा को भी तीन सीट का फायदा हो गया।

ये कैसी डीडीए की बुलडोजर की राजनीति

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा महरौली में चलाए गये अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान उन मकानों को भी तोड़ डाला गया, जिसकी रजिस्ट्री उनके भूस्वामियों या फ्लैट मालिकों के पास मौजूद हैं । बिजली, पानी, गैस के बिल के साथ- साथ सभी वैध पहचान पत्र भी उनके पास हैं । अपने आशियाना को बचाने के लिए जब वो सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिए, तो उनके वेश-भूषा से प्रतीत हो रहा था कि सभी लोग निम्न मध्यमवर्गीय या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं। फिर भी उन्हें इस प्रशासनिक अनहोनी का सामना करना पड़ा । यह अतिक्रमण विरोधी अभियान महज एक बानगी भर है । जबकि ऐसे कई अभियान दिल्ली-एनसीआर समेत देश के किसी न किसी हिस्से में आये दिन चलते ही रहते हैं । ऐसे अतिक्रमण विरोधी अभियानों के शिकार प्रायः सभी लोग भारतीय होते हैं, लेकिन इनके खिलाफ भारतीय अधिकारियों का व्यवहार गैर-जिम्मेदाराना दिखाई देता और सुनाई पड़ता है। सवाल है कि आखिर यह सब कब तक चलता रहेगा। उससे भी बड़ा सवाल यह कि आखिरकार ऐसे अतिक्रमण विरोधी अभियान ब्रेक के बाद क्यों चलाये जाते हैं, क्यों नहीं पूरे देश में एक साथ चलाये जाते हैं। वहीं, जिन अतिक्रमणों से सरकारी अधिकारी जानबूझकर मुंह फेर लेते हैं, उनके खिलाफ अतिक्रमण विरोधी अभियान कौन चलाएगा। अनुभव बताता है कि जब तक लोग बाग विकास प्राधिकरण के लोगों, नगर निगम के लोगों, जिला प्रशासन या अनुमंडल प्रशासन के लोगों के इशारे पर उलटफेर करते रहते हैं, तब तक कोई भी अतिक्रमण जायज होता है । लेकिन जैसे ही उस उलटफेर पर सवाल उठने लगते हैं, वह नाजायज हो जाता है । नई नवेली अवैध कॉलोनियों, शहरी पार्कों या ग्रीन बेल्ट की जमीनों पर ऐसे अतिक्रमण आम बात बन चुके हैं और उनपर कार्रवाई भी मुंह देखकर की जाती है । पीडब्ल्यूडी की सड़कों व राजमार्गों व रेल की परिसम्पत्तियों से जुड़े अतिक्रमण का भी यही हाल है । रक्षा मंत्रालय या अन्य केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों की अनुपयोगी भूमि की बंदरबांट भी कुछ इसी प्रकार होती आई है । इसलिए केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और जिला सरकार को ऐसे अतिक्रमणों पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए. अन्यथा पीक एण्ड चूज वाली कार्रवाई बन्द करनी चाहिए । दरअसल, जिस घर में लोग रहते हैं, उसे मैं मानव मन्दिर समझता हूँ, क्योंकि गृह स्वामी और गृह स्वामिनी अपने उसी घर से न केवल अपने बुजुर्गों और बच्चों की परवरिश करते हैं, बल्कि मानव समाज और प्राणी समाज के काम भी वक्त बेवक्त

आते रहते हैं । ऐसे ही लोगों से मिलकर यह देश-समाज बनता है। ऐसे में जब उनमें से कुछ घरों यानि झोपड़ियों से लेकर मकानों तक पर बुलडोजर चलते हैं और वैसे ही अतिक्रमित देव मन्दिर छोड़ दिये जाते हैं, तो ऐसी दोमुंही विधि-व्यवस्था पर कुछ सवाल उठने लाजिमी हैं । कहा भी गया है कि लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, वो तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में। ये चंद पक्तियां भले ही सामाजिक या साम्प्रदायिक उन्मादियों को लक्षित करके लिखी गई हों, लेकिन भारतीय संवैधानिक सत्ता को अपने मन के मुताबिक हांकने वाले प्रशासनिक और न्यायिक अधिकारियों, जिनके गुप्त गठजोड़ राजनेताओं-पूंजीपतियों तक से रहते आये हैं, पर भी बड़ी सटीक . बैठती हैं ! क्योंकि हम भारत के लोग के खिलाफ इनका पीक एन्ड चूज वाला जो रवैया है, वह भारतीय संवैधानिक व्यवस्था से बलात्कार नहीं है तो क्या है? सुलगता सवाल है कि यदि यह संवैधानिक तंत्र समाज के अंतिम आदमी व उसके परिजनों के आंख की आंसू जब पोंछ नहीं सकता, तो उसे अपने अवांछित कृत्यों से उन्हें रूलाने का भी कोई नैतिक अधिकार नहीं है, लेकिन यह आजादी के अमृतकाल में भी बदस्तूर जारी है ! देखा जाये तो देश के विभिन्न हिस्सों से अतिक्रमण विरोधी अभियान का जो क्रूर चेहरा सामने वक्त-बेवक्त आया है, वह ब्रितानी शासकों के अत्याचारों को भी पीछे छोड़ चुका है । किसी को भी कहीं से उजाड़ने के पहले उसके पुनर्वास की उचित व्यवस्था करना भारतीय प्रशासन का दायित्व है । ऐसे मामलों में न्यायालय द्वारा भी स्वतः संज्ञान न लिया जाना लोगों के दुःख-दर्द को बढ़ाने वाला साबित होता है, क्योंकि खर्चीली, दीर्घसूत्री और अपराधियों के बच निकलने वाले तमाम कानूनी छिद्रों के चलते हर कोई भारतीय न्याय व्यवस्था के दरवाजे खटखटाने से पहले सौ बार सोचता है । आखिर जब राशन कार्ड, बिजली बिल, पानी बिल, गैस बिल, मतदाता पहचान पत्र आदि वैध दस्तावेज समझे जाते हैं, तो फिर इसके धारक सम्बन्धित भूमि पर अवैध कब्जाधारी कैसे हो गए, प्रशासन खुद आत्मचिंतन, आत्ममंथन करे। इसलिए यदि किसी भी सरकारी या निजी संपत्ति पर अतिक्रमण हुआ है और अतिक्रमणकारी वहां वर्षों से काबिज हैं और सम्पत्ति स्वामी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ वर्षों से शिकायत नहीं करते हैं, तो फिर ऐसे जगहों पर वर्षों से बसे लोगों को अचानक उजाड़ देना और उनके समुचित पुनर्वास की व्यवस्था नहीं करना लोगों पर अकस्मात थोपित प्रशासनिक आपदा नहीं है तो क्या है ? सरकार से अपेक्षा है कि वह पूरे देश में अतिक्रमण सम्बन्धी एक श्वेत पत्र जारी करे और एक डेटलाइन तय करे कि इसके बाद अतिक्रमित हुई सरकारी सम्पत्तियों पर चरणबद्ध रूप से सख्त कार्रवाई की जायेगी ।

अजय दीक्षित

प्रेम के रंग से खेले होली

बृन्दावन के गलियों मे
होली खेले नन्दलाल
रंगों मे भीग के
सखियाँ हो गये लाल लाल
मोहन संग खेलने आये
कैलाश से त्रिपुरारी
प्रेम के रंग से खेले
होली ब्रज मे गिरधारी
कान्हा संग मस्त हो
खेले अब तो सखियाँ
कान्हा तो नैन बसे
तरसे ना कोई अँखियाँ
प्रेम भाव से खेलत है
ब्रज की हर नर-नारी
प्रेम के रंग से खेले
होली ब्रज मे गिरधारी
जीवन को भी रंग लो
आज प्रेम के रंग मे
तन मन रंग जाये
अब तो मोहन के रंग मे
जैसे पलाश के रंगों से
प्रकृति रंगी हैं सारी
प्रेम के रंग से खेले
होली ब्रज मे गिरधारी
ऐसे रंग लगा दे
मोहन जीवन जाऊ बिसारी
मिल जाये मोक्ष,और
सदा चरण रहूँ तिहारी
अब तो दरस दिखा दे
मोहे हे मेरे बनवारी
प्रेम के रंग से खेले
होली ब्रज मे गिरधारी
ऐसे रंग रंगा रंगरेज ने
मिट गई हर तृष्णा
उसके रंग मे रंगा तो
मिले गये मोहे कृष्णा
उसके गलियों मे
भूलू अब सुधबुध सारी
प्रेम के रंग से खेले
होली ब्रज मे गिरधारी

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

सुरता के होली

फाग मा राग बिन सुहाग,
वो हर कइसे मिलावय जी।
मर मिट गय जे महतारी बर,
लाली सिंदूर वो मिटावय जी।।
का लाली पिवरी हरियर रंग ,
रंग गुलाल बढ़ उड़ावय जी।
माहूर बन जावय महुरा संगी ,
अउ सूरता ओखर देवावय जी।।
रही रही के रतिहा लागे भारी,
दिन मा बड़ वो जनावय जी।
के मंझनिया बेरा मुंधियार लगे,
संझा के बेरा सुध लमावय जी।।
रंगे हावय , सबो हा माते हावय,
मिलजुर तिहार देख मनावय जी।
बबलू बाबू अउ महतारी मोर,
काबर अँसुवन धार बोहावय जी।।
अतका कइसे हो गय वो बइरी,
महतारी ला आँखी देखावय जी।
मारय खुद के अपन भाई ला,
भाई ला वो दुश्मन बनावय जी।।
अचरज तो लागय देख के माया,
काया तिरंगा मा लपटॉवय जी।
कइथे शहीद ला कोनो भूले नही,
फेर काबर सब हा भुलावय जी।।

सोमेश देवांगन
गोपीबंद पारा
पंडरिया
कबीरधाम
छत्तीसगढ़

होली आई

धूम मचाती होली आई।
रंग जमाती होली आई।।
फागुन मास का उपहार है।
वसंत के गले का हार है।।
ढोलक नगाड़ा फाग है।
प्रेम-स्नेह और अनुराग है।।
हाथों में पिचकारी है।
रंग-रोगन की तैयारी है।।
अरे मुट्ठी भर गुलाल है।
हरा पीला अरु लाल है।।
हम बच्चों की टोली है।
होली है भाई होली है।।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
छत्तीसगढ़

राहुल की नई भूमिका

पंडित नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी तक हर प्रधानमंत्री कोई मंच पर गर्व से घोषणा करते आए हैं कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

किसी भी सफल लोकतंत्र का प्रमाण यह होता है कि उसमें पक्ष और विपक्षी दल सबल भूमिका में सक्रिय रहें। न्यायपालिका, मीडिया, चुनाव आयोग, महालेखाकार और जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता भी सुनिश्चित हो और वे निडर होकर काम कर सकें।

अनुभव बताता है कि हमारे देश में सत्ता पक्ष विपक्ष को कमजोर करने का हर संभव प्रयास करता है पर स्विट्जरलैंड, इंग्लैंड या अमेरिका जैसे देशों में सत्ता पक्ष की ओर से ऐसे अलोकतांत्रिक प्रयास प्रायः नहीं किए जाते। किसी देश की अर्थव्यवस्था के स्थायित्व के लिए जरूरी होता है कि देश की गृह नीति ऐसी हो जिससे समाज में शांति व्यवस्था बनी रहे। सामुदायिक भेद-भाव या सांप्रदायिकता को बढ़ने का मौका न दिया जाए। विदेश नीति, रक्षा नीति, आर्थिक नीति और सामाजिक कल्याण की नीतियों में निरंतरता बनी रहे इसके लिए विपक्ष को भी सरकार के साथ मिलकर रचनात्मक भूमिका निभानी होती है। भारत में मौजूदा राजनैतिक माहौल ऐसा बन गया है, मानो पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के पूरक न हो कर शत्रु हों। इस पतन की शुरुआत इंदिरा गांधी के जमाने से हुई जब उन्होंने चुनी हुई प्रांतीय सरकारों को गिरा कर अपनी सरकारें बिठाना शुरू कर दिया।

इससे पारस्परिक वैमनस्य भी बढ़ा और राजनीति का नैतिक पतन भी हुआ पर यूपीए-1 और यूपीए-2 के दौर में यह काम नगालैंड, गोवा और मेघालय जैसे छोटे राज्य छोड़ कर और कहीं नहीं हुआ। इसी कारण उस दौर में देश की आर्थिक प्रगति भी तेजी से हुई। मौजूदा दौर में भाजपा के नेतृत्व ने कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा देकर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। यह हर हथकंडा अपना कर चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम कर रहा है। इससे न तो समाज में स्थायित्व आ पा रहा है, और न ही उमंग। हताशा और असुरक्षा फैलती जा रही है, जिसका विपरीत प्रभाव उद्यमियों, सरकारी कर्मचारियों, युवाओं और महिलाओं पर पड़ रहा है।

सरकार पर आरोप जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का भी लग रहा है, जो वह हर चुनाव के पहले कर रही है। ऐसे में जहां भाजपा 2024 के चुनावों में 360 संसदीय सीटें जीतने का लक्ष्य रख कर रणनीति बना रही है वहीं विपक्ष में भी भारी हलचल है। भाजपा की तरफ से एक आरोप लगाया जाता है कि विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के पद के लिए कोई सर्वमान्य व्यक्ति नहीं है। 2004 में कांग्रेस ने चुनाव बिना प्रधानमंत्री के चेहरे के लड़ा था पर बाद में डॉ. मनमोहन सिंह के रूप में 10 बरस तक ज्ञानी, शालीन, बेदाग प्रधानमंत्री दिया जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को बिना प्रचार के चुपचाप काम करके नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। मुख्यतः ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, केसीआर और अरविंद केजरीवाल जैसे दावेदारों की चर्चा अक्सर होती रहती है। उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह कह कर कि विपक्षी एकता का प्रधानमंत्री चेहरा राहुल गांधी ही होंगे, विपक्षी दलों के सामने चुनौती खड़ी कर दी है, जबकि राहुल ने आज तक ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वे भी प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं।

विपक्ष के हर दल के नेता और उसके कार्यकर्ता दिल में यह बात अच्छी तरह जानते हैं कि वे एकजुट हो कर भाजपा के विरु द्ध खड़े नहीं होते तो 2024 में सरकार बनाने का उनका मंसूबा अधूरा रह जाएगा और तब उन्हें 2029 तक इंतजार करना होगा। इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग इन नेताओं और उनके परिवारों के साथ क्या सलूक करेंगे, इसका ट्रेलर वो गत आठ वर्षो से देख ही रहे हैं। फिर भी वे नहीं चेते तो अपनी तुच्छ महत्त्वाकांक्षाओं के कारण भारत के लोकतंत्र को समाप्ति की ओर बढ़ता हुआ देखेंगे। इसलिए विपक्ष के लिए तो 'करो या मरो' की स्थिति है। भले ही प्रांतीय चुनावों के संदर्भ में कांग्रेस, समाजवादी दल, भारत राष्ट समिति के नेता एक दूसरे पर बयानों के हमले कर रहे हों पर 2024 के चुनावों के लिए उनके ये बयान आत्मघाती हो सकते हैं। इसलिए इस दौर में राहुल की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो गई है। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ रहे कुछ लोगों ने बताया कि इस यात्रा से राहुल के व्यक्तित्व में भारी बदलाव आया है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में आज तक एक भी नेता ऐसा नहीं हुआ जिसने राहुल के बराबर इतनी लंबी पदयात्रा की हो और उसमें भी पूरी आत्मीयता के साथ समाज के हर वर्ग से दिल खोल कर मिला हो।

इस जमीनी सच्चाई को देखने और समझने के बाद सुना है, राहुल निर्णय कर चुके हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री नहीं बनना, बल्कि समाज के आम आदमी को हक दिलाने के लिए संवेदनशील भूमिका में रहना है। यह सच है तो यह राहुल की बड़ी उपलब्धि है। इसलिए अब लोकतंत्र मजबूत करने में उनकी नई भूमिका बन सकती है। जहां कांग्रेस मानती है कि वो देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए उसे वरीयता दी जानी चाहिए वहीं जमीनी हकीकत यह है कि देश के बड़े हिस्से में कांग्रेस का नाम है ही नहीं। अनेक राज्यों में प्रांतीय सरकारें बहुत मजबूत हैं, और वहां कांग्रेस का वजूद लुप्तप्रायः है। जिन राज्यों में कांग्रेस का जनाधार है, उन राज्यों में भी उसकी स्थिति अपने बूते पर सरकार बनाने की नहीं है। इसके अपवाद भी हैं पर कमोबेश यही स्थिति है। इस हकीकत को समझ और स्वीकार करके राहुल बड़ा दिल दिखाते हैं, और देश के हर बड़े विपक्षी नेता के साथ बैठ कर राजनैतिक स्थिति पर खुली चर्चा करते हैं, इस वायदे के साथ, कि वे प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं, तो विपक्षी दलों को जोड़ने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। यही भाव ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, केसीआर, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल और स्टैलिन को भी रखना होगा। तब ही विपक्ष उन गंभीर मुद्दों पर भाजपा को चुनौती दे पाएगा जिन पर वो विफल रही है। मसलन, रोजगार, महंगाई, किसानों और मजदूरों की दशा, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता का पतन आदि। जहां तक बात भ्रष्टाचार की है, भाजपा सहित कोई भी दल बेदाग नहीं है। इसलिए उस मुद्दे को छोड़ कर बाकी सवालों पर भाजपा को घेरा जाएगा तो उसके लिए चुनौती तगड़ी होगी। इसी प्रक्रिया से लोकतंत्र मजबूत होगा और आम जनता को कुछ राहत मिलेगी।

विनीत नारायण

होली,अतुलनीय रंगों और सम-रसता का बेमिसाल,महान त्योहार

होलिका दहन की अद्भुत कथा विश्व में अद्वितीय ,

होली की अनंत बधाइयां, शुभकामनाये,फाल्गुनी रंगो से मनाई जाने वाली होली न सिर्फ भाईचारे ,सौहार्द्र और प्यार,स्नेह का त्यौहार है। यह महान पर्व शत्रुता हरण करने वाला भी पवित्र त्यौहार है। होलिका दहन और रंगों के खेलने की की परंपरा अलौकिक है ।होलिका दहन के रूप में समाज में व्याप्त बुराई को नष्ट करने की अद्भुत परंपरा सिर्फ हमारे देश में ही है। ऐसी विलक्षण तथा इस होलिका दहन तथा होली के इस पावन पर्व पर जुड़ी हुई है। प्राचीन सांस्कृतिक कथा के अनुसार हिरण्यकश्यपु नामक राक्षस राजा हुआ करता था। प्राचीन काल मे ब्रम्हाजी की तपस्या से उसने वरदान प्राप्त कर लिया था,कि उसे न देवता मार सके न ही कोई अन्य जीव जन्तु ,न दिन मे मरे न रात मे ,न अस्त्र से न शस्त्रों से ,न धरती पर न आकाश मे उसकी मृत्यु हो ,इस तरह उसने अमरत्व प्राप्त कर लिया था। धीरे धीरे उसे इतना घमंड हो गया कि वह अपने को भगवान विष्णु और ब्रम्हा से बढकर भगवान समझने लगा ,राज्य मे कोई व्यक्ति किसी भगवान की पूजा नही कर सकता था ,केवल हिरण्कश्यपु की ही पूजा हो सकती थी ।

कालांतर में उसके एक पुत्र हुआ ,बालक बडा ही धार्मिक प्रवृत्ति का था और भगवान विष्णु का भक्त भी,यह बात राजा को अत्यंत नागवार गुजरती थी ,उसने अपने पुत्र को बहुत समझाने का प्रयास किया कि उसका पिता राजा हिरण्यकषिपु ही एकमात्र भगवान है ,पर बालक अपने पिता के इस अधर्मी आदेश को नही मानता था, बालक प्रह्लाद के ऊपर सख्ती करने हेतु उसके पिता हिरण्यकशयपु ने उसे समुद्र मे फेंकने का आदेश दिया ,उसे हाथी कुचलने का आदेश दिया,पहाड से नीचे फेंका गया पर भगवान विष्णु की भक्ति और दया से बालक प्रह्लाद जीवित सकुशल बच गया ।अंत मे राजा ने अपनी बहन और बालक प्रह्लाद की बुआ होलिका का सहारा लिया ,होलिका को जी तपस्या से एक ऐसे कपडे का वरदान प्राप्त था, जिसे पहनने पर वह अग्नि से जल नही सकती थी ।

इसी वरदान का फायदा उठाते हुए ,होलिका ने बालक प्रह्लाद को गोद मे लेकर अग्नि स्नान किया ,पर होलिका की चुनरी उड कर प्रह्लाद पर लिपट गई ,और दुष्ट होलिका जलकर भस्म हो गई,प्रह्लाद फिर बच गए। इस तरह होलिका दहन का त्यौहार होलीका नामक बुराई को अग्नि से खत्म करने की प्रथा चली आई है।

प्रह्लाद को राजा ने एक विशाल खंबे से बांध दिया और तलवार लेकर उसपर टूट पडा और पूछा बता तेरा भगवान कहां है ,बालक ने बड़ी निडरता से कहा भगवान हर जगह हैं ,आप मे, मुझ मे ,आपकी तलवार मे इस,इस खंबे मे भी ।

तब हिरण्यकश्यपु ने क्रोध से कहा तो देख तेरा भगवान तुझे कैसे बचाता है और उसने उसे मारने के लिए तलवार उठाई ,तभी खंबे को फाड़कर एक भयानक जीव निकला ,जो न नर था न दानव उसने राजा को गोद मे लिया और अपने नुकीले नाखून से राजा का पेट फाड दिया ।

बालक प्रह्लाद की अनन्य भक्ति को देखकर उसको भक्त प्रह्लाद कहा जाने लगा। भगवान विष्णु के अवतार नरसिंह भगवान ने हिरण कश्यप का वध कर अहम दंभ और बुराइयों को खत्म किया और तब से होली का त्योहार प्राचीन समय से भारत देश में मनाया जा रहा है।

होली पूरे विश्व में अनूठा, अद्भुत, अतुलनीय भाईचारे प्रेम रूप में मनाया जाता है, एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर खुशियां मनाई जाती है, एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों का त्योहार बहुत ही खुशी से आजादी तो क्यों मनाया जाता है देश की इस महान परंपरा को नमन प्रणाम।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

पति-अपने अपने स्वभाव के मालिक

किसी को तहे दिल से चाहना मिलन की अनगिनत सपने संजोना और फिर उस शख्स के साथ हर एक पल साथ बिताना यह ख्याल ही इतना खूबसूरत होता है कि मन रोमांचित होता है लेकिन तब क्या किया जाए जब जीवनसाथी ऐसा अनजान व्यक्ति हो जिसके स्वभाव के बारे में आप कुछ ना जानते हो यदि आपकी शादी इस तरह की व्यक्ति से हो जाए तो आप एक बार अपने भाग्य पर यकीन नहीं करेंगी कि कितना अच्छा पति मिला है जो एक पल भी आपसे दूर नहीं रह सकता और पल-पल आप की खबर रखता है लेकिन इस तरह के लोग पजेसिव होते हैं जो आपको अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय गुजारते हुए नहीं देख सकते उन्हें लगता है कि आपके लिए दुनियाँ में एक ही चीज जरूरी होनी चाहिए वह है आपका पति! यहाँ तक कि आप अपने बच्चों के साथ समय गुजारे इन्हें यह भी इन्हें गँवारा नहीं होता। यह ही नहीं मायके मत जाओ, दोस्तों से मत मिलो, पल पल के हिसाब से कई बातों को भी आपको हमेशा दो-चार होना पड़ सकता है।

कुछ पति अहम वादी होते हैं और आत्म केंद्रित होते हैं इनकी नजर में यह दुनियाँ में सबसे बेहतर है अपने आप को सर्वश्रेष्ठ समझने वाले यह लोग चाहते हैं कि लोग हमेशा इनके गुणों की तारीफ करते रहे। ऐसे लोग शादी के बाद अपनी पत्नी तक के साथ खुश तो रहते है लेकिन जब तक जब पत्नी उनकी तारीफों के पुल बाँधती है लेकिन ताउम्र तो पत्नी के लिए यह संभव नहीं है कि अवगुणों को जानकर भी तारीफ करें ऐसे में साथ जिंदगी बिताना दूभर हो जाता है ऐसे में पति को आप से शिकायते होंगी और आपके लिए मुसीबत कि उनकी कमी पर कैसे खुश हुआ जाए? बॉडीबिल्डर वाले पति अक्सर जिम में अपना समय व्यतीत करते हैं अपना मसल्स बनाने में दूसरों के सामने अपने जिस्म की नुमाइश करने में यह मर्दानगी समझते हैं। हो सकता है कि शादी के बाद शुरू में आप खुद को सुरक्षित महसूस करें लेकिन कुछ दिनों के बाद आप यह जान का जरूर परेशान हो जाएंगी कि यह आदमी को सबके सामने हीरोगिरी दिखाने के लिए बात बात पर किसी से भी लड़ाई झगड़े और मारपीट पर उतारू हो जाता है। ऐसे पति के साथ साथ आप भी लोगों में चर्चा का विषय बने बगैर नहीं रह पाएंगी। कुछ पति हिटलर की तरह होते हैं इस तरह के व्यक्ति से सावधान रहना आवश्यक है उनके घर में वही होता है जो यह चाहते हैं। ये उन लोगों में से हैं जो खुद कानून बनाते हैं और दूसरों को उनकी बात का अनुसरण करना अनिवार्य है उनसे शादी करके एक बार तो आप यह सोच कर खुश होंगी कि मेरा पति बहुत आत्मविश्वासी है और हर तरह के निर्णय लेने में सक्षम है लेकिन आप पर गाज गिरे तो आपको यह पता चलेगा कि उसे आपकी पसंद या विचारों से कोई लेना देना नहीं होता है चाहे वह फिर बाहर रेस्टोरेंट में जाना हो, फिल्म जाना हो या किसी विषय पर सलाह मशवरा लेना हो यह आपसे पूछेंगे भी नहीं और आपको उनकी सभी इच्छाएं भी माननी होंगी यहां तक कि आप के निर्णय भी यह ही लेंगे। आपका हेयरकट कैसा होना चाहिए? कौन से आउटफिट पहनने चाहिए? और आपको क्या करना चाहिए वगैरह-वगैरह।

कुछ पति ईर्ष्यालु किस्म के होते हैं इस तरह के पति अक्सर यही सोचते हैं कि जिंदगी के पहले और आखिरी व्यक्ति यही होने चाहिए। आपकी जिंदगी से जुड़े हर व्यक्ति के साथ इनकी प्रतिस्पर्धा होगी फिर चाहे वह आपकी माँ, बहन या दोस्त ही क्यों ना हो! किसी के प्रति आपके दिल में यदि विशेष जगह हो तो यह बर्दाश्त नहीं करेंगे। किसी भी पार्टी समारोह या रिश्तेदारों के घर जाते समय आपको उनका विशेष ख्याल रखना पड़ेगा वरना यह सोचेंगे कि आपको इनसे प्यार नहीं! यह अपनी बादशाही दिखाने पर विश्वास रखते हैं यह अपनी जिंदगी का भरपूर मजा लेते हैं उसे भरपूर जीते हैं इनके लिए जिंदगी एक पार्टी की तरह है और आपको भी किसी महारानी से कम नहीं समझते, लेकिन जब जिम्मेदारी की बात आएगी तो यह पीछे हट जाएंगे क्योंकि यह भविष्य की परवाह नहीं करते ना तो यह जिंदगी की योजनाएं बनाते हैं ना ही भविष्य के लिए बचत करते हैं शादी के बाद जब धीरे-धीरे रोमांस में कमी आएगी तब आप महसूस करेंगी कि यह व्यक्ति तो सिर्फ सपनों की दुनियाँ में जीता है। जिंदगी की कड़वी हकीकत से इसका कोई वास्ता नहीं होता इस तरह के व्यक्ति कभी कोई निर्णय नहीं ले सकते हैं इनमे आत्मविश्वास की कमी दिखने लगती है, आप इस बात से भले ही खुश हो कि आपका पति हर बात में राय लेकर चलता है और आपकी बात मानता है लेकिन जब आपको यह पता चलेगा कि वह इतना सक्षम ही नहीं है कि स्वयं अपने निर्णय भी ले सके तो शायद आपको अच्छा ना लगे! ऐसे लोग परिपक्व नहीं होते और हमेशा अपनी माँ का पल्लू थामें रहते हैं हर बात में यह अपनी माँ की राय लेना पसंद करते हैं। कुछ पति शक्की किस्म के भी होते हैं इनके मन में अपने जीवनसाथी के प्रति हमेशा संदेह बना रहता है कि कहीं मेरे अलावा किसी और से भी उसका अफेयर तो नहीं? यह अपने प्रति आपके प्यार को हमेशा आजमाते रहेंगे इसके बावजूद भी आप पर और आपके व्यवहार पर लगातार नजर रखेंगे, आप घर से बाहर जाती है तो वे यह पता करते रहेंगे कि आप कहाँ हैं और किसके साथ हैं। हर पल आपके पीछे जासूसों की तरह लगे रहेंगे हो सकता है पहले पहले आप इसे अपने प्रति उसका असीम प्यार समझे लेकिन बाद में आपको इस रिश्तें से घुटन महसूस होने लगेगी। यह लोग संवेदनहीन होते हैं दूसरों की भावना से इनका कोई मतलब नहीं रहता इन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कोई उनके बारे में क्या सोचेगा? यह जिंदगी को प्रैक्टिकल तरीके से देखते हैं। यदि आप की कल्पना ऐसे पति की है जो आपको भावनात्मक रूप से सहारा दे सके तो ऐसे व्यक्ति से दूर रहे। कोई बड़ी बात नहीं है कि आपके बहुत बीमार होने के बावजूद भी वे आपसे यह उम्मीद करें कि आप लंच में उनके लिए क्या बना रही है। ये किसी करीबी की मौत को सहज रूप से लेते हैं यह सोच कर कि यह तो शाश्वत सच है।

ऐसा कोई इंसान नहीं है जो हर तरह से परफेक्ट हो! हर व्यक्ति में कोई ना कोई कमी जरूर होती है इसका मतलब यह नहीं है कि वह जीवनसाथी बनने लायक नहीं है, बेहतर होगा कि आप उनकी कमी का कारण जाने उनकी कमी को दूर करना आपके हाथ में हैं उनके परिवार रिश्तेदारों और दोस्तों से मिले उनका सहयोग ले उनके अतीत के बारे में जाने फिर प्यार से उन्हें हैंडल करें जरूरत हो तो काउंसलर की सहायता भी आप ले सकती हैं अपने जीवनसाथी मे बदलाव अपने हिसाब से करें।

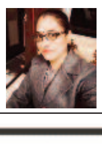

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

मुख्यमंत्री भूपेश के बजट को कांग्रेस ने सराहा तो भाजपा ने करार दिया चुनावी झुनझुना

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए छत्तीसगढ़ का बजट पेश कर दिया है। इस बजट में सीएम बघेल ने पेंशन राशि बढ़ाने के साथ युवाओं के लिए बेरोजागारी भत्ता बढ़ाकर 250 करोड़ कर दिया है। बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का भत्ता 6500 से बढाकर 10 हजार और आंगनबाड़ी सहायिकाओं का 3550 से बढ़ाकर 5 हजार किया गया। बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का भत्ता बढ़ोतरी किए जाने से इनके बीच हर्ष है। विरोध प्रदर्शन कर रहीं आंबा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अबिर गुलाल लगाकर नारी शक्ति का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इसके अलावा बजट में मुख्यमंत्री ने कोई नया कर लागू नहीं किया है। मुख्यमंत्री द्वारा पेश बजट को लेकर जिले के जनप्रतिनिधियों ने प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने इस बजट को सभी वर्गों के लिए विकासोन्मुखी बताया है, वहीं भाजपा ने पूरी तरह निराशाजनक व सरगुजा के लिए झुनझुना करार दिया है।

अम्बिकापुर भाजपा के कोषाध्यक्ष व व्यापारी संगठन कैट के प्रदेश मंत्री शुभम अग्रवाल ने मुख्यमंत्री के भरोसे के बजट को अविश्वास का बजट बताया है। उन्हों ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने चुनावी वर्ष में सिर्फ लुभावना बजट पेश किया है। कोई बुनियादी घोषणा नहीं की गई है। पिछले 4 वर्षों की तरह इस चुनावी वर्ष में भी सरगुजा की जनता को आपसी लड़ाई में ठेंगा दिखाया गया है। सरगुजा के लोगों ने कांग्रेस पर भरोसा जताया था मगर सरगुजा को हमेशा की तरह अनदेखा किया गया। मानदेय जो 4 वर्ष पूर्व बढ़ाना था वो कार्यकाल के आखिरी साल में बढ़ाना व बेरोजगारों को भत्ता जैसी घोषणा सिर्फ

लॉलीपॉप है। सरकार की हर घोषणा पर संदेह होता है क्यों कि आज तक किसी भी घोषणा को सरकार पूर्ण रूप नही दे पाई।

एनएसयूआई प्रदेश महासचिव हिमांशु जायसवाल ने इस बजट को छात्रों, युवा के लिए उनके भरोसे का बजट बताया है। बेरोजगार युवाओं को जनघोषणा पत्र के वादों को पूरा करते हुए 2500 रुपए बेरोजगारी भत्ता के साथ प्रदेश में 4 नए मेडिकल कॉलेज, 101 आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल छात्रों को राज्य संरक्षित धरोहरों के दर्शन , खेल को बढ़ावा देना ये शिक्षा और खेल में प्रकाश डालने वाला बजट है।

पार्षद दीपक मिश्रा ने बताया कि यह बजट छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास का बजट है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए इस बजट को पेश किया है। पूरी तरह से यह एतिहासिक बजट है। जिसमें महिलाओं, बेरोजगारों,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका ,कोटवार ,मेडिकल कॉलेज, पशु अनुसंधान केंद्र,

101 नए स्वामी आत्मानंद स्कूल इत्यादि कई ऐतिहासिक कार्य की घोषणा की गई है।

एनएसयूआई के शुभम जयसवाल ने इस बजट को छात्र हित का बजट बताया है। बजट में 101 नए आत्मानंद स्कूलों का प्रावधान रखा गया है। वहीं बेरोजगारों को 2500 रुपए की बेरोजगारी भत्ता की राशि का प्रावधान है। साथ ही कन्याओं के लिए भी यह बहुत ही लाभकारी बजट है। बजट में कन्यादान राशि को 25000 से बढ़ाकर 50000 कर दिया गया है। इसके अलावा लगभग डेढ़ माह से अनिश्चिकालीन हड़ताल पर रहे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का वेता बढ़ोतरी भी की गई है।

नीति सिंहदेव, सदस्य, छग टूरिज्म बोर्ड ने कहा कि गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला सशक्तिकरण एवं बेरोजगारी भत्ते के संकल्प को पूरा करने वाला अमृत काल का क्रांतिकारी बजट है। गोबर एवं गोमूत्र की सरकार द्वारा खरीदी से लोगों में गो पालन की रुचि बढ़ी है। इस बजट में सभी वर्गों का पूरा ख्याल रखा गया है।

रोचक गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष, भाजयुमो बजट में सरगुजा की जनता को 3 कैबिनेट मंत्रियों के रहते फिर से कांग्रेस सरकार द्वारा इस वर्ष भी सिर्फ झुनझुना दिया गया। वहीं भाजपा सरकार में शुरू हुए संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के संबध एवं उच्च शिक्षा में भी राज्य सरकार द्वारा कोई घोषणा नहीं किया जाना, सरगुजा के युवाओं के साथ छलावा है।

खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा पेश किया गया बजट भरोसा का बजट है। ये बजट सभी वर्गों के लिए खुशहाली का बजट है। यह बजट प्रदेश की जनता का आय बढ़ाने वाला और महंगाई से राहत देने वाला बजट है। हमारी सरकार जनता के भरोसे पर खरी उतरी है, सभी वर्गों की मौजूदा मांगो को पूरा करते हुए सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी बजट में छतीसगढ़ के भविष्य को सुदृढ़ करने बड़ी राशि का प्रावधान किया हैं। बजट में ग्रामीण क्षेत्र एवं सामाजिक सुरक्षा के साथ शिक्षित बेरोजगारों को 2500 रु. प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना में इनपुट सब्सिडी के लिए 6800 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का नगर पंचायत क्षेत्रो के लिए विस्तार, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि मे 43 प्रतिशत की वृद्धि (प्रतिमाह 500 रु.) की गई है। दुर्ग से नवा रायपुर के लिए लाइट मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी

स्वास्थ्य मंत्री टीएस डॉ.सिहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ की जनता की आकांक्षाओं को 5 वर्ष

पूर्व मैंने जिस घोषणापत्र को वादा किया था, उसे पूर्ण करने वाला बजट छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया है। आंगनबाडी कर्मचारियों, मितानिन, ग्राम कोटवार और पटेल, गोठान प्रभारी, रसोईया, सफाई कर्मचारी आदि के मानदेय में वृद्धि वास्तव में उन स्वयं-सेवकों का सम्मान है। जिन्हें 15 वर्षों के भाजपा शासन में उपेक्षित किया गया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब 4 और मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। सम्भाग का दूसरा मेडिकल कॉलेज मनेन्द्रगढ में खोला जायेगा। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र का महत्वपूर्ण संकल्प बेरोजगारी भत्ता इस बजट से पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि जनकल्याण के लिये ये जन हितैषी बजट है। हमारी सरकार जनकल्याण को लक्ष्य लेकर चल रही है इसी लिये आज प्रदेश में बेरोजगारी दर बेहद कम है, जबकि प्रदेश का विकास दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है।

बजट का भाजपा ने किया विरोध, अम्बिकापुर को नहीं मिला बजट में कुछ खास

भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार द्वारा वर्ष 2023 के लिए प्रस्तुत बजट अत्यंत निराशा जनक तथा जनता के साथ धोखा है। आखरी बजट में भी गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास पर कोई प्रावधान नहीं किया है। एक बार फिर छत्तीसगढ़ का गरीब भूपेश सरकार द्वारा छला गया है। बजट में बिलासपुर को एम्स हेतु प्रस्तावित कर स्वास्थ्य मंत्री ने अपने गृह क्षेत्र आदिवासी अंचल सरगुजा को उपेक्षित किया है। जनता उन्हें माफ नहीं करेगी।

भूपेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बज़ट पर अपनी प्रतिक्रिया वयक्त करते हुए भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने कहा कि इस बज़ट में भूपेश सरकार ने संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण पर कोई घोषणा नहीं कर फिर से कर्मचारी वर्ग को धोखा दिया है। बज़ट में ऐसा कुछ नहीं है जिससे आम जनता को राहत मिल सके। बज़ट केवल चुनावी घोषणा है, जो पूरी नहीं होने वाली है।

छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्तमान बज़ट पर प्रतिक्रिया वयक्त करते हुए पूर्व ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने के नाम पर भूपेश सरकार ने नियम व शर्तें लागु कर युवाओं के साथ भद्दा मजाक किया है। बज़ट में आगामी 2 सालों तक ढाई लाख से कम आय वाले परिवार के युवाओं को ही भत्ता देने की बात कही गई है जबकि जन घोषणा पत्र में इन्होने सरकार बनते ही छत्तीसगढ़ के प्रत्येक बेरोजगार युवा को बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी।

सरगुजा की उपेक्षा पर स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के विरोध में भाजयुमो ने कराया मुंडन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

छतीसगढ़ विधानसभा के पटल पर भूपेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव द्वारा अधिकृत रूप से बिलासपुर में एम्स खोलने की बात कहने के विरोध में सोमवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा सरगुजा द्वारा आदिवासी वनांचल क्षेत्र सरगुजा की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए सिर मुड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। स्थानीय संगम चौक अम्बिकापुर में आयोजित इस अनोखे विरोध प्रदर्शन में भाजयुमो पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव को विकास विरोधी बताते हुए उनके विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। भाजयुमो जिलाध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर के नेतृत्व तथा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भारत सिंह सिसोदिया, भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता तथा भाजपा वरिष्ठ नेता त्रिलोक कपूर कुशवाहा की उपस्थिति में भाजयुमो पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य मंत्री व स्थानीय विधायक टीएस सिंहदेव के मृत पड़ी चेतना को जगाने के लिए हिन्दू परम्परा के अनुरूप भाजयुमो पदाधिकारियों ने अपना सिर मुंडन कराकर तीखा विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि सरगुजा के स्वास्थ्य मंत्री को आदिवासी वनांचल क्षेत्र सरगुजा में रहने वाली आम जनता की कोई फिकर नहीं है। बिलासपुर क्षेत्र जहां पहले से अपोलो तथा सर्व सुविधा युक्त मेडिकल कॉलेज सिम्स जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं, वहां एम्स बनाने की स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव की घोषणा सरगुजा के जनता की उम्मीदों के साथ कुठारा घात है। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि सरगुजा संभाग अपने एकलौते असुविधायुक्त मेडिकल कॉलेज के भरोसे जन स्वास्थ्य सुविधाओं का बोझ ढो रहा है। जबकि स्थानीय विधायक स्वास्थ्य मंत्री हैं फिर भी उनके जन कल्याण की सूची में सरगुजा कही नहीं है। सरगुजा की जनता अपने साथ हुए धोखे का हिसाब जरुर लेगी।

इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष विश्व विजय तोमर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के कार्यकाल में अम्बिकापुर में एक बेबस पिता अपनी पुत्री के शव को कंधे पर ले जाता है, मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही से 4 मासूम शिशुओं की मृत्यु हो जाती है, ऐसे में जब एम्स जैसे संस्थान खुलने की बात होती है तो स्वास्थ्य मंत्री अपना गृह क्षेत्र सरगुजा ही भूल जाते हैं। कार्यक्रम को एनजीओ प्रकोष्ठ के जिला संयोजक कैलाश मिश्रा, भाजपा नगर मण्डल महामंत्री दीपक तोमर, रोचक गुप्ता, वीर सोनी, चन्दन शुक्ला, शोलू सिंह, दिगम्बर यादव, दिव्यांशु गुप्ता तथा सुनील यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन पत्र भी सौपा गया जिसमे वनांचल क्षेत्र सरगुजा में एम्स खोलने की मांग की गई। कार्यक्रम का संचालन भाजयुमो जिला महामंत्री संजीव वर्मा ने किया। इस अवसर पर राज बहादुर शास्त्री, अमोघ कश्यप, अभिषेक सिंह, अनिरुद्ध मिश्रा, अनुराग शुक्ला, मनीष दुबे, शानु कश्यप, मार्कंडेय तिवारी, मनोज सोनी,

विनाल गुप्ता, दीपक यादव, दिव्याशु केशरी, गोलू यादव, श्रीधर केशरी, गोल्डी सिंह, निशान्त गुप्ता, अविनाश कुशवाहा, सौरभ मिश्रा, शुभम अग्रवाल, प्रिन्स चौबे, राहुल दुबे, भोलू सिंह सेंगर, केवल यादव, विनय ठाकुर तथा अभय पैकरा सहित अन्य कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वेतन वृद्धि की घोषणा के बाद आंबा कार्यकर्ताओं ने जमकर खेली होली

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदेश भर के आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे। सरगुजा में भी विरोध प्रदर्शन जारी था। सोमवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकों को वेतन बढ़ोतरी की घोषणा कि हड़ताली कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। होली के दो दिन पहले इस घोषणा से जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने जमकर होली खेली। धरनास्थल कलेक्टोरेट शाखा के सामने कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अबिर गुलाल लगाकर बधाई दी।

गौरतलब है कि वेतन वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर जिले भर के आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे। इस दौरान जिले भर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में ताला लटका था। मुख्यमंत्री ने बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मासिक मानदेय की राशि 6 हजार 500 प्रति माह से बढ़ाकर अब 10 हजार रूपए, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 4 हजार 500 रूपये से बढ़ाकर 7 हजार 500 रूपये मासिक एवं सहायिकाओं का मानदेय 3 हजार 250 रूपये से बढ़ाकर 5 हजार रूपये मासिक करने की घोषणा की गई है। धरनास्थल कलेक्टोरेट शाखा के सामने महिलाओं ने बजट घोषणा पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए देर तक जश्न मनाया। एक दूसरे को अबिर गुलाल लगाकर बधाईयां दी। इसके साथ ही डेढ माह से चल रहे अनिश्चिकालीन हड़ताल समाप्त हो गया।

रिक्शा चालक ने गरीब बच्चों को बांटा स्कूली पुस्तक व कांपी

पेश की जनसहयोग की मिसाल

- संवाददाता -
सूरजपुर 06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

कुछ देने के लिए दिल बड़ा होना चाहिए, हैसियत नहीं इन पंक्तियों को चट्टीडांड़ जयनगर गाँव के रहने वाले 53 वर्षीय रिक्शा चालक राम नायक ने चरितार्थ किया हैं, इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति और जरूरतों को दरकिनार कर स्व प्रेरित होकर अपने पसीने की कमाई से बचत किये पैसों से शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ स्कूल के सभी बच्चों को कॉपी - पेन वितरण किया । खुद गरीबी में जीवन - यापन कर रहे राम नायक ने यह सराहनीय कार्य कर गाँव के लोगों का दिल जीत लिया हैं। शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ स्कूल के नवपदस्थ प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने बताया कि एक दिन अचानक गाँव के एक ग्रामीण स्कूल आये और मुझसे कुछ बात करने की इच्छा जाहिर की, तो मैंने उनसे उनका परिचय लिया और स्कूल आने का कारण पूछा,तो उन्होंने अपना नाम राम नायक बताया और कहाँ कि मैं इसी गाँव का रहनेवाला हूँ और रिक्शा चलाने का काम करता हूँ। घर की आर्थिक स्थिति बहुत ज्यादा खराब होने के कारण मुझे अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी । मैं रिक्शा चलाकर ही अपने परिवार का भरण - पोषण करने के साथ अपने बच्चों को पढ़ा रहा हूँ। हमारे गाँव के अधिकांश बच्चे गरीब तबके के है,मेरी तरह इन्हें भी अपनी पढ़ाई न छोड़नी पड़े, इसलिए मैं चट्टीडांड़ स्कूल के बच्चों के लिए कुछ करना चाहता हूँ, इसलिए मैं यह पूछने आया हूँ कि यहाँ कितने बच्चे पढ़ते हैं । जिस गाँव के बारे में अधिकांश लोगों ने मुझसे ये कहा था कि वहाँ के एक भी गाँववालों से किसी प्रकार का सहयोग नहीं मिलेगा,उसी गाँव में कोई खुद से आकर बच्चों के लिए कुछ करने की इच्छा जाहिर कर रहा हैं, वो भी एक ऐसा व्यक्ति जो स्वयं ही रिक्शा चलाकर बड़ी मुश्किल से अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी की व्यवस्था करता है। मैंने राम नायक को स्कूल की दर्ज संख्या बताई, उसके दो दिन के बाद राम नायक सभी बच्चों के लिए दो - दो कॉपी और एक - एक पेन लेकर मेरे पास आये और इसे बच्चों को बांटने के लिए कहा, तो मैंने उनके हाथों से ही सभी बच्चों को कॉपी और पेन का वितरण कराया।। प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने विद्यालय परिवार की ओर से राम नायक के इस सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।। इस अवसर पर राम नायक ,विद्यालय के प्रधान पाठक गौतम शर्मा, शिक्षिका विनिता सिंह, शिक्षक प्रभात कुमार मिंज, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष बंटेश्वर सारथी, अमेला कुमार,बालभद्र नायक, सुरेश सारथी, झमेला कुमार आदि अभिभावक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

शहर के विभिन्न समाज के प्रतिनिधि के साथ पुलिस अधीक्षक ने की बैठक,कहा:भाईचारा के साथ मनाएं होली

» होलिका दहन रात 10 बजे से पहले हो

» तीन सवारी व शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश

- संवाददाता -
सूरजपुर 06 मार्च 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में शहर के विभिन्न समाज एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक ने सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में होली पर्व एवं शब-ए-बरात का आयोजन करने की अपील की। कहा गया कि पर्व का आनंद ऐसे उठाएं कि दूसरों को किसी प्रकार से परेशानी अथवा असुविधा न हो। पुलिस अधिकारियों को पूर्व के होली त्यौहार के दौरान विवाद करने वालों लोगों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से भी सुझाव आमंत्रित किए गए जिसमें प्रमुख रूप से होली के दिन 3 टाईम पानी सप्लाई, होलिका दहन स्थल पर पानी

टैंकर की सुविधा, चिकित्सालय में डॉक्टरों की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता तथा फायर ब्रिगेड की टीम को मुस्तैद पुलिस पेट्रोलिंग रहेगी।

सोमवार को जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित नागरिकों से कहा कि सूरजपुर शहर सभी समाज व समुदाय के द्वारा सामाजिक समरसता एवं सौहार्द्रपूर्ण माहौल के साथ आयोजन के लिए जाना जाता है। उन्होंने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि सभी समाज के लोग सर्वधर्म समभाव के साथ आगे भी इस परंपरा को कायम रखें। रंगों के इस पर्व में किसी पर न तो बलपूर्वक रंग लगाएं, न ही रंग के नाम पर ग्रीस, पेंट आदि का इस्तेमाल करें। बल्कि कोशिश यह होनी चाहिए कि ऐसा कृत्य न करें, जिससे किसी प्रकार का विवाद अथवा टकराव की स्थिति निर्मित हो। रंगों के इस पर्व को सुरक्षात्मक और परस्पर भाईचारा के साथ मनाएं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तीन सवारी वाले वाहनों और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्ती से चालानी कार्रवाई की जाएगी। निर्धारित समयावधि व मापदंड के प्रतिकूल ध्वनि-विस्तारक यंत्र डीजे बजाए जाने पर भी पूर्ववत प्रतिबंध जारी रहेगा। होलिका दहन के दौरान प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस की तैनाती रहेगी तथा टीम द्वारा लगातार पेट्रोलिंग भी की जाएगी।

होलिका दहन रात 10 बजे से पहले हो

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने कहा गया कि होलिका दहन रात्रि दस बजे से पहले कराना सुनिश्चित कराया जाए। ऐसी जगहों पर होलिका दहन नहीं किया जाए जहां पर विद्युत तार, केबल तार गुजरा हो तथा सार्वजनिक अथवा निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचने की आशंका हो। वहीं डामरीकृत पक्की सड़कों पर होलिका दहन नहीं करने के भी निर्देश दिए गए हैं। होलिका जलाने वाले स्थल के आसपास ज्वलनशील पदार्थ न हो। तेज ध्वनि निकलने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्र जैसे डीजे, साउण्ड सिस्टम, लाउड स्पीकर एवं अन्य प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जिससे तेज ध्वनि निकलती हो, के प्रयोग पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। किसी को जबरदस्ती रंग लगाने, ग्रीस, पेंट, शरीर में जलन पैदा करने वाले केमिकल का उपयोग नहीं करने कहा है।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह, संयुक्त कलेक्टर नरेन्द्र पैंकरा, सीएमएचओ डॉ. आर.एस.सिंह, एसडीएम रवि सिंह, एसडीओपी सूरजपुर प्रकाश सोनी, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, डीएसपी एम्मानुल लकड़ा, सिरिल एक्का, तहसीलदार डॉ. वर्षा बसंल, जिले के थाना-चौकी प्रभारी, प्रवेश गोयल, जियाजुल हक, दिलावर खान, इकबाल खान, दीपक कर, पीडब्ल्यूडी व नगर सेना के अधिकारी सहित नगरवासी मौजूद रहे।

नेपाल में जाग उठे दशकों पुराने भूत, प्रधानमंत्री दहल की उड़ी नींद

काठमांडो ,06 मार्च 2023।

अपनी सियासी पलटियों से राजनीतिक दलों झटका देने माहिर नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल को देश के सुप्रीम कोर्ट ने चिंता में डाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के खिलाफ दो याचिकाएं रजिस्टर करने का निर्देश दिया है। इन याचिकाओं में पार्टी के साथ-साथ दहल को भी अभियुक्त बनाया गया है। मामला नेपाल में चले गृह युद्ध के समय का है। कोर्ट ने गृह युद्ध दौरान हुई लगभग पांच हजार मौतों के लिए दहल और माओइस्ट सेंटर की जवाबदेह ठहराने की दो वकीलों की याचिका को रजिस्टर करने का निर्देश कोर्ट प्रशासन को दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की इस कार्रवाई से माओइस्ट सेंटर में बेचैनी और घबराहट दोनों देखी जा रही है। रविवार को पार्टी महासचिव देव गुरुंग ने इस बारे में एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि माओइस्ट सेंटर ऐसी हर गतिविधि की कड़ी निंदा करती है, जो संविधान के विरुद्ध हो। साथ ही वह विभिन्न राजनीतिक आंदोलनों के जरिए हासिल प्रगतिशील उपलब्धियों के खिलाफ होने वाली गतिविधियों की भी निंदा करती है।

गुरुंग ने दावा किया कि याचिकाएं दुर्भावनापूर्ण इरादे से दायर की गई हैं। यह न्यायिक समीक्षा के सिद्धांत के खिलाफ है। साथ ही यह संविधान से मिले अभिव्यक्ति के आजादी के अधिकार का भी उल्लंघन करती हैं। उन्होंने कहा- 'सत्य और मेलमिलाप आयोग और जबरन गायब किए गए लोगों की जांच के लिए बना आयोग संक्रमणकालीन न्यायिक कार्यवाही को आगे बढ़ा रहे हैं। इसलिए उन आयोगों के अधिकार क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं होना चाहिए।' इन दोनों आयोगों का गठन राजशाही और माओवादी विद्रोह के दौरान हुए अपराधों पर अंजाम तक पहुंचाना है।

पर्यवेक्षकों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश दहल के लिए बड़ा सिरदर्द पैदा कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दो वकीलों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। ये याचिकाएं गृह युद्ध के दौरान मारे गए 20 लोगों के परिजनों की तरफ से दायर की गई थीं। बीते नवंबर में कोर्ट ने उनकी याचिकाएं खारिज कर दी थीं। तब वकीलों ने फिर से याचिका दायर की। इस पर सुनवाई करते हुए दो जजों की बेंच ने कोर्ट प्रशासन को नई याचिकाओं को रजिस्टर करने का आदेश दे दिया।

दोनों याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि दहल उन हत्याओं के लिए निजी तौर पर जिम्मेदार थे, इसलिए उनके खिलाफ जरूरी कानूनी कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए। एक याचिका में गुजारिश की गई है कि माओवादी विद्रोह के दौरान हुई सभी 17 हजार हत्याओं के लिए दहल को दोषी ठहराया जाए। एक अन्य याचिका में पांच हजार मौतों के लिए उन्हें दोषी ठहराने की दलील दी गई है।

जनवरी 2020 में माघी त्योहार के दिन हुए एक समारोह में दहल ने कहा था कि माओवादी पार्टी के नेता के तौर पर वे पांच हजार मौतों की जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे। बाकी मौतों की जिम्मेदारी सरकार पर डाली जानी चाहिए। नेपाल में दहल के नेतृत्व में एक दशक तक माओवादी विद्रोह चला था। उस दौरान ये सभी मौतें हुई थीं। अब तक यह मामला सत्य और मेलमिलाप आयोग के दायरे में था। अब इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने अपने दायरे में ले लिया है।

पाक मंत्री का दावा: गिरफ्तारी से बचने के लिए दीवार फांदकर भागे इमरान, पड़ोसी के घर में छिपे

इस्लामाबाद, 06 मार्च 2023। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने सोमवार को इमरान खान से जुड़ा बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले तोशखाना मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लाहौर में अपने आवास की दीवार फांदकर भाग गए थे। दरअसल, इमरान खान को गिरफ्तार करने के लिए रविवार को इस्लामाबाद पुलिस लाहौर पहुंची थी। हालांकि, इस दौरान इमरान अपने आवास पर नहीं मिले थे और उनकी लीगल टीम ने आश्वासन दिया था कि इमरान सात मार्च को अदालत में पेश होंगे।

पाकिस्तान की मीडिया की मानें तो अब राणा सनाउल्लाह ने कहा कि कल इमरान खान को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम को बहुत ही परेशान होना पड़ा। उस दौरान लाहौर में नाटक जैसे हालात बन गए थे। ऐसी अफवाहें हैं कि इमरान छिपने के लिए अपने पड़ोसियों के घर में कूद गए थे। थोड़ी देर बाद वह कहीं से सामने आए और एक बड़ा भाषण दिया। मंत्री ने यह भी कहा कि अगर पुलिस पूर्व प्रधानमंत्री को गिरफ्तार करना चाहती है तो यह उचित रणनीति नहीं थी।

उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें अदालत के आदेशों के बारे में बताने के लिए वहां गई थी, लेकिन इमरान खान बेशर्म व्यक्ति हैं। इससे पहले सनाउल्लाह ने तोशखाना उपहारों के मामले में इमरान खान पर अपने अधिकार का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि अगर अदालत इमरान खान को बरी करती है, तो हम इसे स्वीकार करेंगे।

इरअसल, इस्लामाबाद की एक जिला अदालत ने पिछले हफ्ते खान के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, क्योंकि वह बार-बार अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। इसके बाद पीटीआई पार्टी प्रमुख ने इस्लामाबाद जिला अदालत में एक अर्जी दायर की थी। इस पर कोर्ट ने सोमवार को गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट रद्द करने से इनकार कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जफर इकबाल ने याचिका खारिज करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री के आवेदन पर दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाया।

भारत सहित छह देशों के साथ वीजा व्यवस्था आसान करने पर काम कर रहा रूस, उप विदेश मंत्री ने कही ये बात

मॉस्को,06 मार्च 2023 । रूस भारत समेत छह देशों के साथ वीजा प्रणाली को आसान करने के लिए समझौते की तैयारी कर रहा है। रूसी समाचार एजेंसी तास ने उप विदेश मंत्री येवगेनी इवानोव के हवाले से यह जानकारी दी। इवानोव ने कहा, हम भारत के अलावा अंगोला, वियतनाम, इंडोनेशिया, सीरिया और फिलीपींस के साथ अंतर-सरकारी समझौतों पर भी काम कर रहे हैं, जिसका अर्थ उनके साथ वीजा व्यवस्था का सरलीकरण करना है। इससे पहले इवानोव ने कहा था कि रूस बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, बहामास, बारबाडोस, हैती, जाम्बिया, कुवैत, मलेशिया, मैक्सिको, त्रिनिदाद और टोबैगो समेत 11 देशों के साथ वीजा मुक्त यात्रा के लिए समझौतों पर काम कर रहा है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बीते सप्ताह जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था। बैठक में लावरोव ने जी-20 की अध्यक्षता के लिए भारत की सराहना की उन्होंने भारत को वैश्विक एजेंडे के प्रमुख मामलों पर अत्यधिक जिम्मेदार और एक महाशक्ति के योग्य बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा भी की।

खतरे में पीएम शहबाज शरीफ की कुर्सी

PPP चेयरमैन बिलावल ने सरकार से समर्थन वापस लेने के दिए संकेत

इस्लामाबाद ,06 मार्च 2023।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कुर्सी खतरे में पड़ सकती है। गठबंधन सरकार में शामिल पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के अध्यक्ष और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने समर्थन वापस लेने के लिए संकेत दिए हैं। बिलावल ने कहा है कि अगर संघीय सरकार सिंध प्रांत में बाढ़ पीड़ितों से किए गए अपने वादे को पूरा नहीं करती है तो उनकी पार्टी के लिए सरकार में बने रहना बहुत मुश्किल होगा। पाक मीडिया के मुताबिक, पीपीपी अध्यक्ष बिलावल ने रविवार को एक सब्सिडी प्रोग्राम का उद्घाटन करने के अवसर पर अपने संबोधन में सरकार के खिलाफ आपत्ति जताई। सिंध प्रांत में बिलावल की पार्टी पीपीपी की सरकार है। उन्होंने प्रांतीय बजट से बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम (बीआईएसपी) के लिए 8.39 अरब रुपये हस्तांतरित किए। इस योजना के तहत 12 एकड़ तक कृषि भूमि वाले प्रत्येक छोटे किसानों को 5,000 रुपये प्रति एकड़ की सहायता दी जाएगी।

बिलावल ने पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के नेतृत्व वाली संघीय सरकार को उसके वादे की याद दिलाते हुए कहा कि सब्सिडी कार्यक्रम के जरिए सिंध में बाढ़ प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने के लिए 13.5 बिलियन रुपये चाहिए। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि संघीय सरकार 4.7 बिलियन रुपये का अनुदान देगी और शेष 8.39 बिलियन रुपये सिंध सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे को नेशनल असेंबली में उठाएंगे।

साथ ही बिलावल ने कहा कि वह बाढ़ पीड़ितों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी बात करेंगे। अगर ऐसा संभव नहीं हुआ तो पीपीपी के लिए संघीय सरकार में बने रहना बहुत मुश्किल होगा। बता दें, पीपीपी के नेशनल असेंबली में 58 सांसद हैं और वह मौजूदा गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा है। अगर पीपीपी समर्थन वापस लेती है तो प्रधानमंत्री शरीफ के लिए सरकार बचाना मुश्किल हो जाएगा।

डिजिटल जनगणना के तरीके पर भी आपत्ति

वहीं, बिलावल भुट्टो ने डिजिटल जनगणना के तरीके पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है। एक प्रांत में चुनाव अलग जनगणना के आधार पर हुए, और अन्य प्रांतीय चुनाव विवादित डिजिटल जनगणना के आधार पर हुए।

गौरतलब है कि पिछले साल पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ आई थी, जिससे देश का एक तिहाई भाग जलमग्न हो गया था और 1,200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है, क्योंकि बाढ़ से 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ था।

टेक्नोलॉजी के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन की बढ़त बनी 'लोकतांत्रिक' देशों के लिए चुनौती

हांग कांग ,06 मार्च 2023 ।

बीते सप्ताहांत आई एक रिपोर्ट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि आधुनिक 44 टेक्नोलॉजी में से 37 में चीन दुनिया में सबसे आगे निकल गया है। इन तकनीकों में हाइपरसोनिक मिसाइल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन्स और इलेट्रिक बैटरी शामिल हैं।

यह रिपोर्ट ऑस्ट्रेलिया के मशहूर थिंक टैंक- ऑस्ट्रेलियन स्ट्रेटेजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एएसपीआई) ने तैयार की है। इसमें दिए गए इंडेक्स में चीन को अंतरिक्ष और रक्षा उद्योग से संबंधित तकनीक के क्षेत्र में दुनिया में पहले नंबर पर रखा गया है। एएसपीआई कैनबरा स्थित थिंक टैंक है, जिसकी स्थापना ऑस्ट्रेलिया सरकार ने की थी। अब यह संस्था दुनिया के कई देशों की सरकारों और रक्षा एवं टेक कंपनियों से मिलने चंदे से चलती है।

रिपोर्ट में बताया गया कि चीन नैनोस्केल मैटेरियल्स, मैनुफैक्चरिंग, कोटिंग, 5जी और 6जी तकनीक, हाइड्रोजन एवं अमोनिया शक्ति, सुपर कैपिसिटॉर्स, इलेक्ट्रिक बैटरी, सिंथेटिक बायोलॉजी एवं फोटोनिक्स सेंसर आदि में सबसे आगे निकल चुका है। बल्कि अब यह संभावना बन गई है कि इन तकनीकों के मामलों में वह दुनिया में अपनी मोनोपॉली (एकाधिकार) बना सकता है।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक एएसपीआई की रिपोर्ट उन तमाम देशों के लिए एक चेतावनी है, जो अपने को लोकतांत्रिक कहते हैं। विशेषज्ञों ने कहा है कि अब इन देशों के पास यही रास्ता है कि रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण तकनीक को विकसित करने में वे अपनी पूरी ताकत झोंक दें। खुद रिपोर्ट में कहा गया है- 'चीन की बराबरी करने के लिए दुनिया भर की सरकारों को मिल कर और अलग-अलग भी प्रयास करने चाहिए। उन्हें तकनीकी आविष्कार और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के नए केंद्र यानी इंडो-पैसिफिक पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।' रिपोर्ट के लेखकों ने खास तौर पर अमेरिकी नेतृत्व वाले समूह- ऑकुस (ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका), क्वॅड और यूरोपियान यूनियन से आपस में सहयोग बढ़ाने को कहा है।

अमेरिका अभी भी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। लेकिन एएसपीआई ने जिन 44 तकनीकों पर अपनी रिपोर्ट बनाई है, उनमें से सिर्फ सात में उसे बढ़त हासिल है। इनमें उन्नत सेमीकंडक्टर की डिजाइन और विकास, उन्नत इंटीग्रेटेड सर्किट का डिजाइन और फैब्रिकेशन और उच्च क्षमता की कंप्यूटिंग में अनुसंधान शामिल हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग, वैक्सीन विकास और मेडिकल क्षेत्र में भी उसे बढ़त मिली हुई है। छोटे उपग्रह संबंधित शोध, अंतरिक्ष प्रक्षेपण सिस्टम आदि के क्षेत्र में अमेरिका अपनी मोनोपॉली बनाने की स्थिति में है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन की बढ़त का आधार वहां हो रहे अनुसंधान और असीमित संसाधनों की उपलब्धता है। एएसपीआई ने कहा है कि इनकी बदौलत चीन विमान इंजन और रोबोटिक्स के विकास में भी काफी आगे निकल गया है। रिपोर्ट में चीन के इस दावे की तरफ भी ध्यान खींचा गया है कि दुनिया के सबसे उन्नत दस अनुसंधान संस्थानों में से सात उसके यहां हैं।

एएसपीआई के मुताबिक चीन 'लोकतांत्रिक' देशों के 21.6 फीसदी शोधकर्ताओं को अपने यहां आकर्षित करने में सफल हो रहा है। अमेरिका के 9.8 फीसदी और ब्रिटेन के 7.8 फीसदी शोधकर्ता इस समय चीन में काम कर रहे हैं। इनमें वे चीन नागरिक भी शामिल हैं, जिन्होंने पश्चिमी देशों में जाकर पढ़ाई की थी।

पाकिस्तान में फिर हुआ आत्मघाती हमला! विस्फोट में नौ पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद ,06 मार्च 2023। पाकिस्तान में एक और आतंकवादी हमले की खबर है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान प्रांत में हुए एक धमाके में नौ पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। यह हमला सोमवार को ब्लूचिस्तान को बोलान इलाके में हुआ। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, यह इलाका सिबी और कच्छी सीमा पर स्थित है। शुरुआती जांच में यह पता लगा है कि यह एक आत्मघाती हमला था लेकिन अभी जांच के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्लूचिस्तान पुलिस के जवान जब ड्यूटी से लौट रहे थे। उसी दौरान यह धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था इसके असर से पुलिस के जवानों को लेकर जा रही गाड़ी पलट गई। इस धमाके में 15 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। बता दें कि हाल के दिनों में पाकिस्तान में कई आतंकी हमले हुए हैं। बीती जनवरी में ही पाकिस्तान के पेशावर में हुए एक आत्मघाती हमले में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी। यह हमला उस वक्त हुआ, जब पुलिसकर्मी एक मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए इकट्ठा हुए थे। उसी दौरान पुलिस के भेष में आए एक आतंकी ने खुद को बम विस्फोट से उड़ा लिया था।

यह धमाका इतना तेज था कि मस्जिद की छत भी गिर गई थी, जिसके चलते मरने वालों का आंकड़ा बहुत ज्यादा हो गया था। दरअसल आतंकी संगठन तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान और पाकिस्तानी सेना के बीच सीजफायर टूट चुका है और उसके बाद से ही पाकिस्तान में आतंकी हमलों की लहर सी आई हुई है। खास बात ये है कि अधिकतर आतंकी हमलों में पाकिस्तान पुलिस के जवानों को निशाना बनाया गया है।

इससे पहले फरवरी में ही कराची पुलिस मुख्यालय पर आतंकवादी हमला हुआ था। टीटीपी ने ही इस हमले को अंजाम दिया था। इस हमले में हथियारबंद आतंकियों ने पुलिस मुख्यालय पर हमलाकर तीन लोगों की हत्या कर दी थी और हमले में 10 लोग घायल हुए थे। हालांकि सुरक्षाबलों की कार्रवाई में पांच आतंकी ढेर कर दिए गए थे।

अवैध प्रवासियों का ब्रिटेन में प्रवेश होगा बंद, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक लाएंगे नया कानून

लंदन ,06 मार्च 2023।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को एलान किया कि जो लोग अवैध तरीके से ब्रिटेन में आ रहे हैं, उन्हें वापस भेजा जाएगा और वह यहां शरण नहीं मांग सकेंगे। बता दें कि ब्रिटेन में अभी तक ऐसा नियम है कि यहां अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोग भी आवेदन देकर शरण मांग सकते हैं। हालांकि हाल के सालों में ब्रिटेन में अवैध प्रवासियों की संख्या में जबरदस्त उछाल आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनक सरकार इस हफ्ते के अंत तक अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कानून ला सकती है। ब्रिटेन में इंग्लिश चैनल से नावों में बैठकर बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी आ रहे हैं, इनकी रोकथाम के लिए कानून में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं। नए कानून के तहत ब्रिटेन के गृह मंत्री को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है कि वह नौकाओं के जरिए ब्रिटेन में अवैध रूप से आ रहे प्रवासियों को रोकें। साथ ही ब्रिटेन में रह रहे अवैध प्रवासियों को वापस भेजा जाएगा।

ऋषि सुनक ने कहा कि नौकाओं द्वारा ब्रिटेन में आ रहे अवैध प्रवासियों को रोकना उनकी पहली प्राथमिकता है। अवैध प्रवासी अब ब्रिटेन में नहीं रह सकेंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि अवैध प्रवासी ब्रिटेन के करदाताओं, ब्रिटेन में वैध तरीके से आने वाले लोगों के लिए ठीक नहीं हैं। साथ ही यह ब्रिटेन के आपराधिक गिरोहों को भी फायदा पहुंचाते हैं।

चीनी गुब्बारों के बाद अब चीन में बने क्रेन बन गए अमेरिका की चिंता

वाशिंगटन ,06 मार्च 2023 ।

चीनी गुब्बारों के बाद अमेरिका को चीन में बने क्रेनों की चिंता सताने लगी है। यह संदेह जताया गया है कि बंदरगाहों पर जहाजों से सामान उतारने में इस्तेमाल होने वाले क्रेन का इस्तेमाल चीन जासूसी के लिए भी कर रहा हो सकता है।

अमेरिका के सुरक्षा अधिकारियों ने आगाह किया है कि दुनिया में जासूसी के तरीके बदल रहे हैं। अब पहले की तरह सिर्फ जासूसों और उपग्रहों के जरिए ही जासूसी नहीं की जाती। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि चीन में बने कई उपकरणों का इस्तेमाल जासूसी या अमेरिका में उथल-पुथल मचाने के लिए किया जा सकता है। इन उपकरणों में सामान की स्क्रीनिंग करने वाले सिस्टम और बिजली ट्रांसफॉर्मर भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने इस पर चिंता जताई है कि दुनिया भर के बंदरगाहों पर चीन की पकड़ मजबूत होती जा रही है। उसने अलग-अलग देशों के बंदरगाहों में निवेश किया है। उनके अलावा दुनिया के हर लगभग हर बंदरगाह तक चीन के नए कंटेनर पहुंचते हैं।

अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपी एक खास रिपोर्ट के मुताबिक क्रेंस का इस्तेमाल जासूसी के लिए किया गया है या नहीं, इस बारे में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के पास अभी विस्तृत जानकारी नहीं है। फरवरी में चीन के एक गुब्बारे को अमेरिका ने मिसाइल से मार गिराया था। उसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि गुब्बारे को एक ऐसी कंपनी ने बनाया था, जिसके संबंध चीन की सेना से हैं। अधिकारियों के मुताबिक उस गुब्बारे पर एंटेना और सेंसर लगे थे, जिनके जरिए गुप्त सूचनाएं इकट्ठी कर चीन भेजना संभव था।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक इसी संदर्भ में जहाज से बंदरगाह तक पर चलने वाले क्रेन चर्चा में आए हैं। अमेरिका में बीते दिसंबर में 850 बिलियन डॉलर के रक्षा बजट को मंजूरी दी गई थी। इसके साथ पारित रक्षा नीति में अमेरिकी परिवहन विभाग से जुड़े समुद्री प्रशासक को क्रेन्स का अध्ययन करने का निर्देश दिया गया है। उनसे कहा गया है कि वे इस वर्ष के अंत तक अपनी रिपोर्ट कांग्रेस (संसद) को दें, जिसमें यह बताया जाए कि क्या विदेशों में बने क्रेन से अमेरिकी बंदरगाहों पर साइबर सुरक्षा या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कोई खतरा पैदा हो रहा है।

अमेरिकी बंदरगाहों पर चीन में बने सॉफ्टवेयर से संचालित क्रेन्स का इस्तेमाल होता है। ये क्रेन पूरी तरह असेंबल्ड अवस्था में जहाजों से लाए जाते हैं। कई जगहों पर तो उन क्रेंस को चलाने के लिए चीन के ही विशेषज्ञ लाए जाते हैं, जिन्हें इस कार्य के लिए दो साल का वीजा दिया जाता है।

भूपेश सरकार के 5 वें बजट में कोरिया को हवाई पट्टी तो एमसीबी को मिली मेडिकल कॉलेज की सौगात

कोरिया में बैकुंठपुर शहर का सड़क चौड़ीकरण था अहम मुद्दा जो बजट में नही दिखा,मिली पूर्व घोषित हवाई पट्टी

- विपक्ष ने बजट को चुनावी बजट बताया,वहीं कांग्रेस नेताओं ने कहा विकास पूर्ण बजट
- बजट में कर्मचारियों के लिए कुछ खास नहीं,रोजगार देने के बजाय खैरात देने जैसी स्थिति शिक्षित बेरोजगारों के लिए
- मनेंद्रगढ को मेडिकल कॉलेज की बड़ी सौगात,कोरिया को झुनझुना
- दूसरी बार हवाई पट्टी की घोषणा,कोरिया वासियों में निराशा का माहौल
- कर्मचारियों की भी नही सुनी सरकार ने,भाजपा नेताओं ने कहा घोषणा पूरी करनें में असफल हुई सरकार

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/मनेंद्रगढ 6 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश का अपनी इस सरकार का अंतिम बजट प्रस्तुत किया और उन्होंने इसे प्रदेश और प्रदेशवासियों के हित का बजट बताया। मुख्यमंत्री ने अपने बजट अभिभाषण में प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना करते हुए बजट पेश किया। मुख्यमंत्री की तरफ से प्रस्तुत बजट में जो मुख्य घोषणाएं रहीं उनके अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओ मानदेय में बढ़ोतरी की गई वहीं अन्य किसी कर्मचारी वर्ग के लिए कोई भी खास घोषणा नहीं गई। मुख्यमंत्री की तरफ से प्रस्तुत बजट से जहां प्रदेश के समस्त कर्मचारी समूहों को कुछ मिलने की उम्मीद थी जो कर्मचारियों की कल्पना मात्र साबित हुई और उन्हे कुछ भी बजट से नहीं मिला। कोरिया जिले को भी बजट ने निराश ही किया और जो कुछ भी कोरिया जिले को पूर्व में मिलना तय था उसमे भी कटौती बजट में नजर आई और जिलेवासियों के हांथ निराशा ही लग सकी। कोरिया जिले को जो कुछ मिल सका उसमे हवाई पट्टी जो पूर्व घोषित था और एक पुलिस चौकी को थाने का दर्जा मिलेगा यह जिले को मिली उपलब्धी रही। जिले के लिए घोषित पूर्व घोषणा अनुसार मेडिकल कालेज भी नवीन जिले एमसीबी के खाते में चला गया और कोरिया जिले के हिस्से में कटौती नजर आई। नवीन जिले एमसीबी को मेडिकल कालेज के रूप में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। बजट को लेकर सत्ताधारी दल के नेताओ ने साथ ही विपक्षी दल भाजपा के नेताओ ने अपने अपने तर्क दिए हैं जहां कांग्रेस नेताओं ने बजट को छत्तीसगढ़ के प्रत्येक व्यक्ति के लिए उत्तम बताया वहीं भाजपा नेताओं ने बजट को चुनावी बजट बताया।

गोठान के अलावा इनके पास बताने के लिए कुछ नही

बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री भैयालाल रजवाड़े ने कहा है कि सरकार ने पूरे पांच वर्ष जनता को बेवकूफ बनाया है,गोठान के अलावा इनके पास बताने के लिए कुछ नही था गोठान योजना भी फेल साबित हुई है,गोठान में गौ वंश दूर-दूर तक नजर नही आते,गोठान के नाम पर पैसे की बंदरबाट की गई है,हवाई पट्टी की घोषणा पहले भी की गई थी लेकिन जमीन विवाद के कारण काम अभी तक अपूर्ण है,इस बजट को चुनाव के हिसाब से बनाया गया है। सरकार ने चुनावी घोषणा पत्र में बेरोजगारों को हर महीने बेरोजगारी भत्ता देने का वायदा किया था चार साल इस सरकार को बेरोजगारों की याद नही आई अब जब चुनावी वर्ष है तो बेराजगारों को भत्ता देने की बात कही जा रही है उसमें भी ऐसे नियम कानून बनाये जा रहे हैं जिसमें अधिकांश युवा इस लाभ से वंचित हो जाएंगे,श्री रजवाड़े ने कहा कि युवा वर्ग इस सरकार की चाल को अच्छी तरह से समझ रहा है, और समय आने पर इसका जवाब दिया जाएगा।

बजट में कोरिया की उपेक्षा की गई

भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने कहा कि सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है, आम आदमी से लेकर हर वर्ग इनसे त्रस्त है, बजट में कोरिया की उपेक्षा की गई है जो यहां के विधायक की विफलता का परिणाम है। सरकार ने पहले कोरिया का विभाजन किया और अब कोरिया को हर क्षेत्र में छ्ला जा रहा है ऐसा लगता है जैसे यह सरकार कोरिया के साथ दुश्मनी निकाल रही है। पूरे पांच वर्ष विधायक और सरकार के कार्यकाल में कोरिया का विनाश हुआ है ऐसा कोई भी काम नही हुआ जिससे कोई लाभ दिखलाई दे। सरकार ने चुनाव पूर्व अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने का वादा किया था लेकिन अंतिम बजट में भी इस पर बात नही की गई, सरकार के पास पैसे की भारी कमी है। कई क्षेत्र में काम करने की बात बजट में देखी जा रही है लेकिन पैसे के अभाव में काम नही हो पाएंगे।

आमजनों का बेरोजगारों का किसानों का बजट बताया

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ला ने आमजनों का बेरोजगारों का किसानों का बजट बताया। उन्होंने कहा की प्रदेश की कांग्रेस सरकार सभी वर्गों का लगातार ध्यान रख रही है और उसी सोच के अनुरूप प्रदेश का आज का बजट है। मुख्यमंत्री के द्वारा प्रस्तुत बजट पर उन्होंने यह भी कहा की प्रदेश सरकार का यह बजट सरकार का अबतक का सबसे अच्छा बजट है और इससे प्रदेश विकास के मार्ग पर आगे बढ़ेगा।

एक एक व्यक्ति के लिए सोचकर बनाया गया बजट

कांग्रेस पार्टी के कोरिया जिले के जिलाध्यक्ष ने बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट प्रदेश के एक एक व्यक्ति के लिए सोचकर बनाया गया बजट है। प्रदेश में बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता मिलेगा,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित सहायिकाओ मानदेय बढ़ाया गया जो उनकी बहुप्रतीक्षित मांग थी,वहीं प्रदेश में किसानों की सुविधा और उनकी भलाई के लिए भी बजट में ध्यान दिया गया है।सरकार ने नवीन शासकीय नियुक्ति हेतु बड़ी मात्रा में पदों के सृजन का भी निर्णय लिया है बजट में जिससे आने वाले समय में बेरोजगारी और कम होगी। बजट विकासोन्मुख है यह जिलाध्यक्ष ने कहा।

प्रदेश सरकार का शिक्षा पर जोर

बिहारीलाल राजवाड़े ने भी बजट को प्रदेश के लोगों के लिए समर्पित बजट बताया। प्रदेश सरकार ने शिक्षा पर जोर दिया है और अंग्रेजी शिक्षा के लिए उत्कृष्ट आत्मानंद विद्यालयों की आगे और स्थापना को प्रदेश के नौनिहालों के भविष्य लिए मिल का पत्थर बताते हुए उन्होंने यह भी कहा की आने वाले समय में 101 नवीन आत्मानंद विद्यालय खोले जायेंगे जैसा बजट में प्रावधान किया गया है। उम्मीद ही नहीं विश्वास है की कुछ विद्यालय जिले में भी खुलेंगे और जिले के नौनिहालों को बेहतर शिक्षा मिल सकेगी।

प्रदेश को विकास के मार्ग पर अग्रसर करने वाल बजट

वेदांती तिवारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट को अच्छा बताते हुए इन्होंने बताया की जिले को भी हवाई पट्टी की सौगात मिली है। नए कर भी आरोपित नहीं किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा की मुख्यमंत्री ने जैसा बताया की सरकार ने किस तरह बाजार से ऋण नहीं लिया और प्रदेश को विकास के मार्ग पर अग्रसर रखा है। मुख्यमंत्री ने अपने बजट में लगभग सभी वर्गों का ध्यान रखा है और सरकार ने प्रत्येक विधानसभा अनुसार कुछ बड़ी घोषणाएं की हैं।

आखिरी बजट की उम्मीद भी रहा निराशा जनक

देवेंद्र तिवारी जिला उपाध्यक्ष भाजपा कोरिया इन्होंने बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा की सरकार ने जनघोषणा पत्र में उल्लेखित विषयों को पूरा करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। कर्मचारी वर्ग जहां सरकार के आखिरी बजट से उम्मीद लगाई हुई थी उन्हे निराशा मात्र हांथ लगी। शिक्षक अनियमित कर्मचारी अपनी विसंगतियों के लिए इस उम्मीद में थे की उन्हे अंतिम बजट में कुछ मिल सकेगा जो नहीं मिला। विद्यालय सफाई कर्मचारी और मध्यान्ह भोजन सहायिका जिनका मानदेय न्यूनतम से न्यूनतम है उनका मानदेय 300 रुपए बढ़ाया जाना उनके साथ मजाक मात्र है। कुल मिलाकर बजट हर वर्ग के लिए निराशाजनक है वहीं जिले के लिए भी बजट निराशाजनक है और जिले के साथ बिलकुल सौतेला व्यवहार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बजट में कोरिया वासियों के साथ किया सौतेला व्यवहार

लक्ष्मण राजवाड़े भाजपा नेता ने कहा की कोरिया जिले को बजट से कुछ भी नहीं मिल सका। एक हवाई पट्टी मात्र ही जिले के लिए बजट में शामिल प्रावधान रहा। मेडिकल कॉलेज जो कोरिया जिले को मिलना था वह भी नवीन जिले को प्रदान कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कोरिया जिले के वासियों के साथ सौतेला व्यवहार किया है। पहले जिले का असंतुलित विभाजन कर जिले की अस्मिता से खिलवाड़ किया गया और अब जिले के अधिकार भी छीन कर जिले को और पिछड़ा बनाए जाने की योजना पर काम चल रहा है बजट से साबित हुआ। प्रदेश का हर वर्ग बजट से उम्मीद लगाए बैठा था लेकिन उसे कुछ खास मिला तो वह खैरात मिला अधिकार देने में सरकार ने रुचि नहीं दिखाई।

प्रदेश सरकार का अंतिम बजट जनता की उम्मीदों का गला घोंटनें वाला साबित हुआ बजट

भाजपा किसान मोर्चा के नेता अनिल जायसवाल ने बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की सरकार ने बजट में प्रदेश की जनता की उम्मीदों का गला घोंटा है। प्रधानमंत्री आवास को लेकर भी सरकार ने बजट में झूठ ही कहा है । प्रदेश सरकार पांच सालो में अपने ही वादों को पूरा नहीं कर पाई और अंतिम बजट से यह साबित हुआ।

सरकार ने चुनाव के पूर्व किए गए अनेक वायदो को पांच बजट में भी पूरा नहीं किया

भाजपा के जिला महामंत्री पंकज गुप्ता ने कहा कि सरकार ने चुनाव के पूर्व किए गए अनेक वायदो को अब तक पूरा नही किया है, यह भरोसे का बजट नही बल्कि धोखे का बजट है, किसानो को दो साल के बकाया बोनस का कही उल्लेख नही है, सरकार ने शराबबंदी की घोषणा की थी लेकिन इस बार भी उसका कही उल्लेख नही है, हर जिले में फूड पार्क लगाने की बात हुई थी लेकिन इसका भी कहीं अता पता नही है,सरकार ने प्रदेश वासियों के साथ विश्वासघात किया है।

किसानों के लिए कोई ऐसा घोषणा नहीं किया गया जिसमें किसान संतुष्ट हो

संदीप दुबे भाजपा मंडल उपाध्यक्ष पटना ने कहा कि इस बजट में सरकार ने पूरे प्रदेश वासियों को निराश किया है, साफ साफ यह बजट चुनाव को देखते हुए पेश किया गया है। गरीबों ग्रामीण जनता के लिए कुछ भी नही, इस बजट से ये भी है की आप अगर रोजगार में है तो आपको कुछ लाभ नहीं होगा और अगर आप बेरोजगार है तो आपको 2500 भत्ता मिलेगा। (रसोई को अभी 1800 मिलेगा और बेरोजगार को 2500 मतलब नौकरी छोड़ के आप 700 ज्यादा प्रतिमाह फायदा मिलेगा। वाह काका वाह, गजब का बजट। बजट में छत्तीसगढ वासियों को काफी उम्मीद थी लेकिन सरकार उनकी उम्मीद पर खरा नही उतर सकी। कांग्रेसी भले ही इस बजट की सरहना करें लेकिन कोरिया वासियों के साथ विश्वासघात किया गया है। इस सरकार के दिन पूरे हो गए है और अब विदाई का वक्त आ गया है, बजट में सरकार अपने चुनावी वायदो को पूरा करती तो बेहतर होता लेकिन सरकार वायदो से मुकर गई है।

एक ही हवाई पट्टी की दो बार घोषणा

बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गौ सेवक अनुराग दुबे अन्नू ने कहा कि सरकार का बजट निराशाजनक है, जिस हवाई पट्टी की घोषणा पहले की जा चुकी है उसे फिर से घोषणा किया गया जो कि कोरिया वासियो के साथ धोखा है सरकार कोरिया का विकास नही विनाश ही चाहती है। सरगुजा संभाग से जनता ने कांग्रेस को 14 सीट दिया है लेकिन सरकार ने संभाग मे एक पागलखाना बनाने की घोषणा कर दी जो कि घोर मजाक है। उन्होने कहा है कि चुनावी बजट में भी कोरिया जिला पूरी तरह से अपेक्षित रहा है। श्री दुबे ने बजट के बाद कांग्रेसियों से सवाल करते हुए कहा है कि हवाई पट्टी की घोषणा के बाद कांग्रेस जन कितने समय हृदय स्थल में पटाखा फोड़ेंगे।

आगे पाट पीछे सपाट वाला रहा बजट

भाजपा नेता रेवा यादव ने कहा है कि कांग्रेस सरकार आगे पाट पीछे सपाट की तर्ज पर काम कर रही है,हर वर्ग को दिन में चांद दिखाने का काम इस सरकार ने किया है। हर वर्ग को भरोसे का बजट बताया गया था लेकिन जब बजट पेश हुआ तो लोगो का भरोसा टूट गया है। सरकार अपनी पुरानी घोषणाओं को आज तक पूरा नही कर सकी है। आज प्रदेश में 16 लाख से अधिक गरीब को पक्के आवास नही दिए गए इनके बारे में भी बजट में कोई प्रावधान नही किया गया जो कि गरीब के साथ मजाक है गरीब वर्ग जिनका इस सरकार ने पक्का आवास रोक दिया इस सरकार को कभी माफ नही करेगा।

ऑल इंडिया लीनेस क्लब मनेंद्रगढ़ समर्पण द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं फाग उत्सव कार्यक्रम का किया आयोजन

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़ 06 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

ऑल इंडिया लीनेस क्लब मनेंद्रगढ़ समर्पण द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं फाग उत्सव ग्राम बुंदेली में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष लीनेस प्रभा पटेल के आतिथ्य में मनाया गया। अपने समाज के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के समान अधिकार की बात कही। इस प्रोग्राम का आयोजन सरपंच आनंद भगत, उपसरपंच मीना, पूर्व सरपंच संतोषी जी एवं प्राचार्य श्री परमेश्वर गुरुजी के सहयोग से हुआ। प्रोग्राम का शुभारंभ राज्य गीत के गायन एवं ग्रामीण महिलाओं के द्वारा सुआ नृत्य की प्रस्तुति के साथ हुआ। सभी ग्रामीण महिलाओं ने अत्यधिक हर्षोल्लास के साथ क्लब द्वारा आयोजित कुर्सी दौड़ ,बैलून रेस, मटका फोड़ ,चम्मच दौड़ ,एवं क्लब के मेंबरों के साथ अंताक्षरी में भाग लिया उनके द्वारा बहुत ही सुंदर लोक नृत्य एवं लोक गीत भी गाए गए। चेयर पर्सन इंदिरा सेंगर जी द्वारा जल संरक्षण पर निबंध प्रतियोगिता करवाई गई एवं बच्चों को पुरस्कृत किया गया, चेयर पर्सन सविता अग्रवाल जी ज्योति अग्रवाल जी एवं श्वेता पोद्दार जी द्वारा अपने विषय पर कार्य किया गया, क्लब द्वारा प्रांगण में उपस्थित सभी स्त्री-पुरुष एवं बच्चों को चाय एवं स्वल्पाहार करवाया गया, सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया एवं बच्चों को चॉकलेट एवं पैन बांटा गया। वही लीनेस प्रभा पटेल के द्वारा प्रिंसिपल परमेश्वर गुरुजी, सरपंच महोदय, उपसरपंच महोदया, पूर्व सरपंच महोदया पंच सुशीला जी सामाजिक कार्यकर्ता सरस्वती जी एवं मितानिन सुखनी कुर्रे जी को साल श्रीफल एवं गणेश प्रतिमा भेट कर सम्मानित किया गया। अनीता फरमानिया जी द्वारा महिलाओं के प्रति जागरूकता की बात कहीं गई। अध्यक्ष प्रीति जयसवाल जी द्वारा महिला सशक्तिकरण की बात कही गई इस पूरे प्रोग्राम का सफल सुव्यवस्थित संचालन लीनेस ज्योति मजूमदार जी द्वारा किया गया। समारोह के अंत में सभी ने मिलकर रंग गुलाल खेला और होली गीतों पर जमकर रास नृत्य किया। इस अवसर पर क्लब की वरिष्ठ सदस्य ली इंदिरा सेंगर जी, सचिव बबीता अग्रवाल जी, सविता अग्रवाल जी ज्योति अग्रवाल जी ,बेबी मखीजा जी,स्वेता पोद्दार, प्रतिभा अग्रवाल, लीना शाह एवम निधि अग्रवाल जी उपस्थित रही।

रविदास समाज जनकल्याण सरगुजा संभाग के जिला कोरिया जिला उपाध्यक्ष बने दिलराज रवि

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 6 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

दिलराज रवि की नियुक्ति पर समाज के लोगों ने उन्हें दी बधाई

रविदास समाज जन कल्याण जिला कोरिया के उपाध्यक्ष पद पर दिलराज रवि की नियुक्ति की गई है। जिले के राष्ट्रीय राज्यमार्ग 43 से लगे रविदास भवन के सभाकक्ष में जन समस्या निवारण शिविर में उपस्थित संभागीय अध्यक्ष अशोक लाल कुर्रे शिक्षक संभागीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ विमला सोनवानी संभागीय निगरानी सदस्य अवधेश कुर्रे संयुक्त सचिव सर्व रविदास समाज प्रदेश राजमन रवि की अनुसंशा पर जिलाध्यक्ष रविदास समाज कोरिया डी एल भास्कर ने यह नियुक्ति की। दिलराज रवि की नियुक्ति से समाज के लोगों में हर्ष व्याप्त है। शिक्षक अशोक लाल कुर्रे संभागीय उपाध्यक्ष ने दिलराज रवि को बधाई देते हुए समाज हित में कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी।

आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर बूथ सशक्तिकरण अभियान में जुटी भाजपा

- बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत बूथ से बूथ तक पहुंचेंगे भाजपा विस्तारक

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 6 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनाव में अभी समय है लेकिन इन चुनावों को लेकर भाजपा की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। भाजपा पदाधिकारियों की आए दिन बैठकें जारी है। जिसमें संगठन को सक्रिय किया जा रहा है। इसी तारतम्य में भारतीय जनता पार्टी आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव के संबंध में बूथ को मजबूत बनाने के लिए बूथ सशक्तिकरण अभियान में जुट गई है। भाजपा के बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत गत रविवार 06 मार्च को विधानसभा स्तरीय कार्यशाला व बैठक भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित गई।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी 2023 के चुनाव हेतु प्रत्येक बूथ को मजबूत करने और उनसे संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य अतिथि जिला संगठन प्रभारी प्रबल प्रताप सिंह जुदेव, विधानसभा प्रभारी चिन्टु राजपाल, भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल उपस्थित थे। मुख्य अतिथि जिला संगठन प्रभारी प्रबल प्रताप सिंह जुदेव ने बूथ सशक्तिकरण सम्बन्धित तैयारियों पर जानकारी दी। बैठक में विधानसभा प्रभारी चिंटू राजपाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे, कमलेश यादव, भाजपा जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू एवं अन्य भाजपा पदाधिकारियों ने अपने अपने सुझाव व जानकारी दी। साथ ही बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। प्रदेश भाजपा नेतृत्व के निर्देशानुसार आगामी 17 से 27 मार्च तक भाजपा पूरे प्रदेश में बूथ सशक्तिकरण अभियान चलाने जा रही है। जिसके लिए विस्तारकों की नियुक्ति भी की गई है। विस्तारकों को बूथ के स्तर पर प्रभावी रूप से कार्य करने निर्देशित किया गया है। बूथ सशक्तिकरण अभियान को सफल बनाने विस्तारकों सहित कार्यकर्ताओं के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैकुंठपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं को कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। जिसमें बताया गया कि 17 से 27 मार्च तक आयोजित होने वाले बूथ सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से विस्तारक बूथ स्तर तक जाकर बूथ को मजबूत बनाने संगठन से प्राप्त बिंदुओं के अनुसार कार्य करेंगें। बूथ सशक्तिकरण अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जिला एवं मंडल स्तर पर 4 लोगों की टीम बनाई है। इस टीम में युवा, महिला एवं आईटी सेल, सोशल मीडिया के पदाधिकारियों को लगाया गया है। यह सभी बूथों का गठन एवं सत्यापन करेंगे एवं 20 पन्ना प्रमुख की नियुक्ति मतदाता सूची के अनुसार करेंगे। वाट्सएप समूह का गठन, मन की बात की जानकारी व रिपोर्टिंग का कार्य करेंगे। इसके अलावा बताया गया कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रदेश, जिला, विधानसभा स्तर पर कार्यशाला का आयोजन करेगी। मंडल स्तर पर तैयारियों की बैठक करेगी।

बैठक में भाजपा जिला महामंत्री विनोद साहू द्वारा मंच संचालन किया गया। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, देवेन्द्र तिवारी, लक्ष्मण राजवाड़े, कमलेश यादव, राजेश सिंह, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, जिला मंत्री रामकृष्ण शर्मा, बसंत राय, नवरतन पाण्डेय, सुनीता कुर्रे, सौभाग्यवती सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, जिला कार्यालय सहप्रभारी लव कुमार रवि, जिला प्रवक्ता बिमलकांत गुप्ता, बैकुण्ठपुर मंडल अध्यक्ष कुबेर साहू, बचरापोंड़ी मंडल अध्यक्ष प्यारे साहू, सलका मंडल अध्यक्ष गोपाल राजवाड़े, कुड़ेली मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र साहू, चरचा मंडल अध्यक्ष अरुण जायसवाल, सोनहत मंडल अध्यक्ष ईश्वर राजवाड़े, पटना मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य चुन्नी पैकरा, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष अनिल साहू, मुन्नाराम चक्रधारी, मंडल महामंत्री सुदीप सोनी, राम लखन यादव, मुन्ना राम चक्रधारी, जगनारायण साहू, अमलू सिरदार, विमलचंद चेरवा, संजय चिकनजुरी, ममता, बबीता ग्वाले, सुरेन्द्र चक्रधारी, मनोज कुमार सोनी, राजेन्द्र देवांगन, राम प्रताप साहू, रमेश कुमार, पुरुषोत्तम, नर्मदा जायसवाल, भईयालाल साहू, प्रकाश राजवाड़े, अनिल राजवाड़े, जगनारायाण सिंह, रवि शंकर राजवाड़े, रुप नारायण सिरदार, सुरेश कुमार, पवन सिंह मरकाम, रवि त्रिपाठी, सुभाष साहू, सुभाष जायसवाल, प्रकाश राजवाड़े, मनोज साहू, नीरज पटेल, राकेश साहू, सोनालाल राजवाड़े, रामाशंकर सिह, युकेश कुमार, सच्चिदानंद द्विवेदी, शेख ईरशाद, सनमान सिंह, शिवकुमार साहू, रामलाल साहू, शशि भूषण राय, अभिमन्यु मुदुली, दुर्गेश ठाकुर, सचिन मलिक, सतेन्द्र राजवाड़े, कमलेश कुमार, रविश गुप्ता, प्रमोद पासवान, अनिल जायसवाल, रणधीर सिंह, दीपा विश्वकर्मा, कुण्डल साय, विष्णु प्रसाद साहू, अजीत राजवाड़े, भोला प्रसाद यादव, प्रेम प्रकाश पाण्डेय, संदीप दूबे, जगदीश साहू, सुरेश तिवारी, विवेक कुमार, भागीरथी वस्त्रकार, ध्रुवनाथ तिवारी, भंवरलाल कुर्रे, रुपचंद गुप्ता, संतलाल साहू, देवेन्द्र राजवाड़े, अरविन्द कुमार, संतोष कुमार, उमेश कुमार, प्रताप सिंह, महेन्द्र कुमार, लक्षमण गुप्ता, प्रदीप ठाकुर, नारेन्द्र सिरदार, जीवेन्द्र साहू, रामदेव प्रजापति, राकेश खाखा, दयालसाय भगत, हंसलाल कुर्रे, महेन्द्र सिंह पैकरा, विंध्येश पाण्डेय, बसंत कुमार पाल, श्यामनारायण जायसवाल, राज कुमार साहू, रामजीत विश्वकर्मा, सुशील यादव, रामईश्वर यादव, यशवंत सिंह, संतोष यादव, प्रदीप कुमार साहू, अशोक कुमार यादव, संजय कुमार साहू, बिजेन्द्रलाल संतोष कुमार सिंह एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

जितने पन्ने उतने होंगे पन्ना प्रमुख-

भाजपा की बैठक में बताया गया कि बूथ सशक्तिकरण अभियान में बूथों की कार्यसमिति में अध्यक्ष सहित 11 कार्यकर्ता रहेंगे। जिसमें सभी समिति के सदस्यों के बीच कार्य विभाजन किया जाएगा। कार्य विभाजन में प्रमुख रूप से मन की बात, वाट्सएप समूह का गठन, महिला प्रमुख, लाभार्थी प्रमुख, प्रभावी मतदाता, युवा प्रमुख, सामाजिक श्रेणी प्रमुख एवं बूथ के छह पर्वों के कार्यक्रम के प्रमुख नियुक्त किए जाएंगे। इसके अलावा 2023 को घोषित मतदाता सूची के अनुसार पन्ने के लिए एक पन्ना प्रमुख बनाया जाएगा। खास बात यह है कि मतदाता सूची में जितने पन्ने होंगे उतना ही पन्ना प्रमुख बनाए जाएंगे। जिसमें सामाजिक समीकरण पर ध्यान दिया जाएगा और समस्पर्शी, सर्वस्पर्शी बूथों का गठन किया जाएगा।

खडगवा विकास खंड में निर्माण कार्यों मे भ्रष्टाचार

- राजेन्द्र शर्मा -
खडगवा,06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

खडगवा विकास खंड में निर्माण कार्यो मे भ्रष्टाचार का यह कोई पहला मामला नहीं है ग्राम पंचायत मंगौरा मे उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य मंगौरा देवाडाड से पेंडरी मार्ग पर बुधरा नदी पर निर्मित पुल के दोनों तरफ निर्मित सडक निर्माण कार्य के साथ सडक के किनारे नाली निर्माण कार्य किया जा रहा है इस नाली निर्माण कार्य कि गुणवत्ता पर कई सवाल सथानीय ग्रामीण कर रहे हैं।नाली निर्माण कार्य में गुणवत्ता विहीन विहीन गिट्टी सीमेंट राड समाग्री का इसतेमाल किया जा रहा है।इस नाली निर्माण कार्य में जिस गुणवत्ता और मापदंड का राड सीमेंट गिट्टी का उपयोग करना था वो नहीं किया जा रहा है और जिस गुणवत्ता एवं दूरी पर राड को बाध कर नाली को ढलाई का कार्य किया जाना है वो नहीं किया जा रहा है और इस नाली निर्माण कार्य में ब्राईब्रेटर का उपयोग नहीं किया जा रहा है और मनमाने तरीके से करोड़ों रुपये की लागत कि सडक एवं नाली गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य हो रहा है।

इस सडक और नाली निर्माण कार्य में पूर्ण रूप से प्रमाणित हो रहा है कि इंजीनियर एवं लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अम्बिकापुर उप संभाग मनेद्रगढ के अनुविभागीय अधिकारी कार्य सथल का निरीक्षण करने आते ही नहीं है।

इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि ठेकेदार के द्वारा कितनी गुणवत्ता युक्त नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है मुख्यालय से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण भी सडक और नाली निर्माण कार्य घटिया और गुणवत्ता विहीन कार्य ठेकेदार के द्वारा धडल्ले से किया जा रहा है दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के अधिकारी दूरस्थ मे निर्माण कार्यो के निरीक्षण में जाना भी उचित नहीं समझते हैं।

सथानीय ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण सथल पर लगे सूचना पटल पर जिन अधिकारियों का नंबर अंकित है उस पर किसी भी तरह की जानकारी देने के संबंध में संपर्क करने के लिए फोन लगाया जाता है तो अधिकारी फोन उठाना लाजिमी नहीं समझते हैं और पुल सडक नाली निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन किया जा रहा है?

इससे संबंध में जब लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग उप संभाग मनेद्रगढ के अनुविभागीय अधिकारी एस के तिवारी से उनके मोबाइल नंबर 7049883744 पर संपर्क करने पर उनके द्वारा फोन बार बार काट दिया जा रहा था।

चुनावी वर्ष में छत्तीसगढ़ के बजट 2023- 24 में सामरी विधानसभा क्षेत्र के कई विकास कार्यों के लिये स्वीकृति

» कांग्रेसी एवं क्षेत्र के संसदीय सचिव विधायक चिंतामणी महाराज खुसी से हुये गदगद

- उपेश सिन्हा -
कुसमी,06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

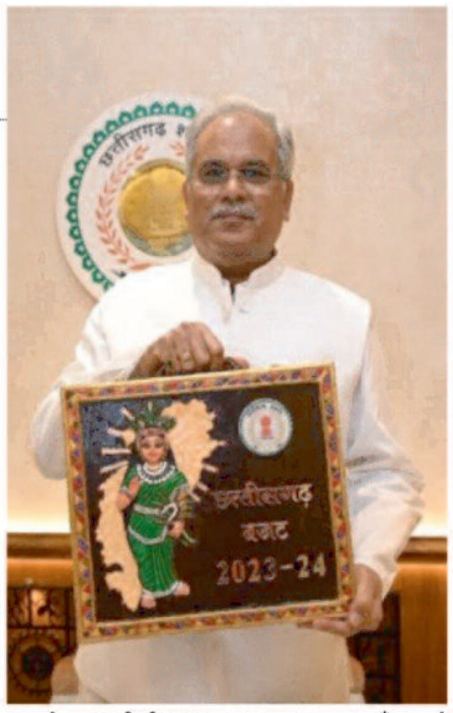

छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बखेल ने आज सोमवार को प्रदेश के विकास के लिये बजट पेश की है जहाँ छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के सामरी विधानसभा क्षेत्र में सीएम के द्वारा सामुदायिक स्वाध्य केंद्र कुसमी को 100 बिस्तर वाले अस्पताल में उन्नयन के साथ साथ कई विकास कार्यो की स्वीकृति दी गई ,कांग्रेस के लोगो द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह बताया गया कि कुसमी से घुँघरि मार्ग, कुम्हार नदी पर पुलिया निर्माण 300.00 लाख , कुसमी जाशपुर मार्ग में गलफूला नदी पर उच्च स्तरीय पुलिया निर्माण,230.00 लाख,चांदो से सामरी मार्ग डामरीकरण कार्य 40की.मी.1000.00 लाख ,लाऊ पहुँच मार्ग 10.60 की.मी.500 लाख,बासेन से ऊफ़ीया मार्ग निर्माण 6.की.मी. 500 लाख,कोटा गहना झींगों मार्ग निर्माण 3 की.मी. 250 लाख, कृष्णनगर से सिविलदाग मार्ग निर्माण 3 की.मी. 150 लाख,नीलकंठपुर से क़टीमा मार्ग निर्माण 150 लाख,घोरघड़ी से लाऊ मार्ग निर्माण- 3 की.मी 120 लाख,गोपालपुर से बलरामपुर मार्ग निर्माण 100लाख ,उपपंजीयन कार्यालय राजपुर,जिला परिवहन हेतु वाहान बजट,साथ ही सामरी विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत लगभग 400 से 500 करोड़ रुपये की लागत से नहर मरम्मत कार्य , तथा वृहद स्तर पर तटबंध व पुलिया,सी.सी रोड निर्माण कार्य स्वीकृत कराए गये,वही युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष मुजेस्सम नजर ने भी मुख्यमंत्री के इस बजट को भरोसे का बजट बताया आंगनबाड़ी सहायिकाओं का मानदेय भी बढ़ाया गया और शिक्षत युवा बेरोजगार के लिये बेरोजगारी भत्ते देने का प्रावधान भी रखा इस बजट में ।बहरहाल इस वर्ष चुनावी साल है और ऐसे में बजट से जनता का दिल जीतने का कार्य कांग्रेस की सरकार कर रही है,तो वही दुसरी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओ एवं पदाधिकारियों का भी दिल जीतने का कार्य इस बजट में कांग्रेस सरकार कर रही है कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी बजट से काफी खुसी जाहिर कर रहे है,ताकि जब वे जनता के पास कार्यकर्ता जाये तो जनता हित मे कार्य कर रही सरकार के बारे में जनता को रूबरू करा सके। मुख्यमंत्री के द्वारा जारी किये गये बजट से खुश होकर संसदीय सचिव चिंतामणी महाराज युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष मुजेस्सम नज़र एवं कांग्रेस के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओ ने आभार जताया है।

3 किलो वजनी घेंघा से पीड़ित युवक का ऑपरेशन कर डॉक्टरों ने बचाया जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के सर्जन विभाग के चिकित्सकों ने घेंघा रोग से पीड़ित युवक का सफल ऑपरेशन कर जान बचाई है।आपरेशन के बाद युवक पूरी तरह स्वस्थ है और जल्द ही उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। जिले के सीतापुर निवासी भुवनेश्वर उम्र 45 वर्ष पिछले 20 वर्षों से गले में घंघा बीमारी से पीड़ित था। धीरे-धीरे यह बढ़कर काफी बड़ा हो चुका था। वह दर्द से परेशान था और उसे सांस लेने में भी परेशानी होनी शुरू हो गई थी। वह 1 फरवरी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचा था। इसका इलाज सर्जन विभाग के एचओडी डॉ. एसपी कुजूर द्वारा शुरू किया गया। सर्जन चिकित्सकों की निगरानी में एक माह तक जांच व उपचार किया गया। तीन बार सीटी स्कैन, बॉयोप्सी, एफएसी सहित अन्य जांच कराई गई। पूरी जांच होने के बाद 2 मार्च को डॉ. एसपी कुजूर, डॉ. शिवहरे, डॉ. जुबलूस एक्का, एनिसथिसिया एचओडी डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. दीपा सहित अन्य सहयोगियों की मदद से सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन लगभग 6 घंटे तक चला। डॉ. शिवहरे ने बताया कि घेंघ काफी बड़ा हो चुका था। यह 20 वर्ष पुराना था। ऑपरेशन से पूर्व कई तरह का जांच कराना पड़ा। अगर समय पर ऑपरेशन नहीं होता तो सांस व अहार नली को नुकसान पहुंच सकता था। अब मरीज पूरी तरह से स्वस्थ्य है। कुछ दिन बाद इसे डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। डॉ. शिवहरे ने बताया कि यह ऑपरेशन काफी जटिल था। घेंघा काफी बड़ा हो चुका था। सीने तक पहुंच गया था। इस तरह के ऑपरेशन पहले नहीं होते थे। ऐसे केस आने पर तत्काल रेफर कर दिया जाता था। इस केस में भी डर बना था। रेफर की तैयारी थी पर पूरी टीम ने रिक्स कवर किया और ऑपरेशन सफल रहा।

जनजातीय किशोरों और छात्रों के लिए किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्घाटन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जिले में अनामया कार्यक्रम अंतर्गत किशोरों व छात्रों (15 वर्ष से 29 वर्ष) के बीच जनजातीय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का उदघाटन किया। इस कार्यक्रम में अंबिकापुर विकासखंड के 35 किशोर व छात्र शामिल हुए जो अलग-अलग गांव के थे।

कलेक्टर श्री कुंदन कुमार ने कहा कि संस्था के द्वारा बहुत ही सराहनीय पहल की जा रही है जिसका उद्देश्य युवाओं को आगे आकर सरकार के योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने महिलाओं में कम उम्र में गर्भधारण कर लेने की बात कही जो अनेक बीमारियों को जन्म देती है जिसको लेकर समुदाय में लोगों को जागरूकता की आवश्यकता है। जनजातियों को कुपोषण और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों सहित कई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सभी को स्वास्थ्य व पोषण की प्राथमिकता देकर समुदाय को लाभान्वित करना जरूरी है।

बताया गया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरों और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, पोषण एवं लैंगिक स्वास्थ्य, मादक द्रव्यों के सेवन का महत्व, सड़क दुर्घटना, हेलमेट एवं सीट-बेल्ट का उपयोग आदि विषयों पर प्रशिक्षण देना है। ऐसी महिलाएं जो 15 से 19 वर्ष की उम्र में गर्भवती हो जाती है जो आगे चलकर एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी का शिकार हो जाती है। इन महिलाओं को जागरूक करना भी जरूरी है।

इस अवसर पर राजीव गांधी युवा मितान क्लब के संचालक, पीरामल स्वास्थ्य के संभागीय कार्यक्रम प्रबंधक दिग्विजय कुमार सिंह, जिला समन्वयक देवी प्रसाद पांडेय सहित छात्र मौजूद थे।

बेरोजगारी भत्ता की घोषणा से युवा वर्ग में आया उत्साह, मुख्यमंत्री बघेल का किया धन्यवाद

- संवाददाता -
कोरबा,06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा विधानसभा में सभी वर्गों के लिए हितकारी बजट प्रस्तुत किया गया। सरकार द्वारा शिक्षित बेरोजगारों को राहत देने के लिए बेरोजगारी भत्ता देने के निर्णय से युवा वर्ग काफी खुश नजर आए। बेरोजगारी भत्ता की घोषणा से युवा वर्ग काफी राहत महसूस कर रहे हैं। युवाओं को 2500 रूपए प्रतिमाह भत्ता मिलने से महंगाई की चुनौती से निपटने में आसानी होगी। साथ ही युवाओं को आर्थिक सहारा भी मिल पाएगा। शासकीय पीजी कॉलेज कोरबा में अध्ययनरत् एमएससी की छात्रा सुश्री सिल्की अग्रवाल ने बताया कि सरकार द्वारा बेरोजगारी भत्ता देने का निर्णय काफी सराहनीय है। इससे युवाओं को अपने परिवार की आर्थिक सहायता करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी के कारण ऐसे कई युवा हैं जिनके लिए 500-1000 रूपए भी अर्जित करना काफी कठिन होता है। ऐसी परिस्थिति में बेरोजगारी भत्ता दैनिक जरूरत और परिवार के सहयोग में काम आएगा। इसी प्रकार छात्रा सुश्री कृष्णा साहू ने भी बेरोजगारी भत्ता दिए जाने को सराहनीय पहल बताते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार जताया।

शिक्षित बेरोजगारों को प्रतिमाह मिलेगा 2500 रूपए भत्ता

सोशल मीडिया साइट मैं कोरबा पुलिस ने होली त्यौहार को खुशियों एवं सुरक्षा से मनाने का दिया संदेश

- संवाददाता -
कोरबा, 06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा पुलिस अधीक्षक यू. उदय किरण (भा.पु.से.) के निर्देश पर कोरबा पुलिस के द्वारा नगर वासियों से अपील किया जाता है कि -1. होलिका दहन के समय कच्चे पेड़ों को ना काटे 72. बिजली के तारों के नीचे होलिका दहन ना करें 7

3. घरों एवं भीड़-भाड़ इलाके के पास होलिका दहन न करें 74. होलिका दहन में ज्वलनशील एवं पटाखों का उपयोग न करें।5.शांतिपूर्ण होलिका दहन करें।

होली त्यौहार में रखें इन बातों का ध्यान–1. होली की खुशियों के बीच रखें सुरक्षा का ध्यान। 2. होली उमंग व उत्साह का त्यौहार है, झगड़े व उत्पात से इसे खराब ना करें।3. होली में नशे का सेवन न करें, शराब पीकर हुड़दंग ना मचाए।4. बिना सहमति के किसी पर जबरदस्ती रंग लगाकर उसे दुखी एवं तनाव का माहौल उत्पन्न न करें।5. पक्के रंग और पेंट वार्निश का इस्तेमाल ना करें रंग खुशी देने के लिए है तकलीफ देने के लिए नहीं।6. अपनी होली मनाने में दूसरों की होली खराब ना करें।

होली त्यौहार मैं ? क्या न करें –1. होली में नशीले पदार्थ का सेवन ना करें।2. पानी से भरे गुब्बारों का प्रयोग ना करें।3. ग्रीस एवं कांच युक्त रंगों का प्रयोग ना करें।4. अश्लील हरकतों एवं शब्दों का प्रयोग ना करें।5. परिवर्तित दुपहिया वाहन साइलेंसर (तेज आवाज निकालने वाले पटाखे की तरह) का प्रयोग ना करें।6. बेवजह शहर में गाड़ियों में तेज आवाज में म्यूजिक चलाकर हुड़दंग ना करें।

होली त्यौहार मैं क्या करें –1. हर्बल रंगों का उपयोग करें।2. यातायात नियमों का पालन करें।3. सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों का सहयोग करें।4. होलिका दहन सुरक्षित स्थान पर करें एवं इलेक्ट्रिक खंबो एवं तारों का ध्यान करें।5. एक दूसरे के धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें।आइए सभी मिलकर पूरी उमंग एवं भाईचारे के साथ होली मनाएं...।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-20230202120075 /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शोएब जाफर आ0 मंसूर अहमद, उम्र-34 वर्ष, जाति-मनिहार, निवासी बरेजपारा, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि शीट क्रमांक 08, मोहल्ला-पर्राडांड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 2413/2,2414/2 रकबा 0.01/4' $0.02^{3/4}$ एकड़ भूमि आवेदकगण एवं अनावेदक शोएब जाफ र आ0 स्व0 मंसूर अहमद, अमरान सिद्दीकी, रिजवान आ0 स्व0 मंसूर अहमद, निवासी बरेजपारा, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के संयुक्त स्वामित्व की है। उक्त आवेदित भूमि में से अनावेदक ईमरान सिद्दीकी, रिजवान आ0 स्व0 मंसूर अहमद, निवासी-बरेजपारा, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा नजूल प्लॉट 2413/2,2414/2 रकबा 0.01/4, 0.023/4 एकड़ में से रकबा 363, 798.60 वर्गफ़ीट भूमि को पंजीबद्ध हक त्याग पत्र पंजीयन दिनांक 23.01.2023 के द्वारा हक त्याग आवेदक के पक्ष में कर दिया है। पंजीबद्ध हक त्याग पत्र पंजीयन दिनांक 23.01.2023 के आधार पर अनावेदक का नाम विलोपित किये जाने बावत् आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109,110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/03/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 24/02/2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा0.) भैयाथान, जिला - सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.../अ-2/2022-23

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद बंजा को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सीमा नायक पिता/पति श्री अलोक कुमार नायक निवासी बंजा के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 2532/2 रकबा 0.02 हे0 जो ग्राम बंजा प.ह.नं. 10 रा0नि0मं0 शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु अस न्यायालय में आवेदन पत्र किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षे0 बंजा के किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 22/03/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02/03/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) भैयाथान जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजेन्द्र सिंह स्व0 धीरेन्द्र नारायण सिंह निवासी रिग रोड चोपड़ापारा थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (पिता) स्व0 धीरेन्द्रनारायण सिंह आ0 परशुराम सिंह मृत्यु की दिनांक 05/06/1995 को स्थान निवास में हुई है। आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदक पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/03/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

मृतिका के न्याय के लिए दर-दर भटक रहा परिवार,प्रेसवार्ता में परिजनों ने लगाया आरोप

- संवाददाता -
कोरबा,06 मार्च 2023 (घटती-घटना)।

प्रेस क्लब तिलक भवन में पत्रकारवार्ता में शशिकला श्रीवास व पति नर्मदा प्रसाद श्रीवास अकलतरा सोनसारी निवासी ने अपने मृत बेटी के लिए न्याय की लगाई गुहार। मामले में माता-पिता ने ससुरालियों को आरोपी बनाने आईजी, एसपी व चौकी पुलिस से लगायी गुहार । उन्होंने पत्रकार वार्ता मैं बताया कि उनकी पुत्री जिसकी हत्या दिनांक 24 12 2022 को कर दिया गया था की जानकारी दिनांक 4 .01. 2023 को चौकी सीएसईबी कोरबा को सूचना दी गई थी पर इसके बाद भी ससुरालियों पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है, जिसे लेकर पीड़ित पक्ष ने प्रेस क्लब तिलक भवन में पत्रकारवार्ता ली। पत्रकारवार्ता में शशिकला श्रीवास व पति नर्मदा प्रसाद श्रीवास ने कहा कि उनकी पुत्री मंजिता श्रीवास का विवाह सन 2011 में योगेन्द्र श्रीवास निवासी सकर्रा, थाना मालखरौदा जिला सक्ती के साथ हुआ था, जो वर्तमान में ढोढ़ीपारा में निवास करते थे। पति योगेन्द्र के द्वारा बरपारा कोहडिया नर्सरीपारा में 24 दिसम्बर 2022 को टांगी मारकर मंजिता की हत्या कर दी गई थी। मामले में मृतिका के ससुर गंगाराम श्रीवास, कार्तिकराम, सास फूल कुंवर श्रीवास, देवर धनंजय श्रीवास, बड़ी डेढ़सास धनेश्वरी श्रीवास, छोटी डेढ़सास भुनेश्वरी श्रीवास, संतोष श्रीवास, प्रभा श्रीवास, पूजा श्रीवास का नाम भी आरोपियों में शामिल किया जाए। जेमिका श्रीवास, ओमियो श्रीवास को चक्षुदर्शी साक्ष्य के रूप में जोड़कर अभियुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि वे न्याय के लिए दर-दर भटकने मजबूर हैं। कार्रवाई की मांग पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर, पुलिस अधीक्षक और सीएसईबी चौकी प्रभारी से भी की गई है,लेकिन आज तक किसी भी सह-अभियुक्त के ऊपर किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री के साथ ससुरालियों द्वारा गाली गलौज, मारपीट एवं दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। सामाजिक बैठक के माध्यम से सुलहनामा कर मंजिता को पति अपने साथ ले गया था। इसके बावजूद उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसकी जानकारी वह उन्हें फोन के माध्यम से देती थी, जिस पर दामाद को समझाते थे। मजिता कहती थी कि उसे आरोपियों से जान का खतरा है। प्रेसवार्ता में उन्होंने आरोप लगाया है कि षडयंत्र पूर्वक सभी आरोपियों ने उनकी पुत्री की हत्या कर दी है। उनके ऊपर कानूनी कार्यवाही की जाए।

CMYK

भारोत्तोलक मीराबाई चानू को बीबीसी का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ महिला भारतीय खिलाड़ी का पुरस्कार

नयी दिल्ली,06 मार्च 2023। तोक्यो ओलंपिक खेलों की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू को जनता के मतदान के बाद वर्ष 2022 के लिए बीबीसी का वर्ष का भारतीय महिला खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए चुना गया। मणिपुर की यह 28 वर्षीय भारोत्तोलक पहली ऐसी खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने लगातार दो वर्ष यह पुरस्कार जीता। इससे पहले 2021 में भी उन्होंने यह पुरस्कार हासिल किया था। मीराबाई भारोत्तोलन में ओलंपिक रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। पिछले साल उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2022 में विश्व चैंपियनशिप में रजत

पदक हासिल किया था।
मीराबाई ने कहा,'' मैं वास्तव में रोमांचित हूं और यह कहना चाहती हूं कि मैं आगामी खेलों में और कड़ी मेहनत करूंगी और भारत के लिए अधिक पदक जीतूंगी।'' इस पुरस्कार के लिए जिन अन्य खिलाड़ियों को नामित किया गया था उनमें पहलवान विनेश फोगाट और साक्षी मलिक, मुक्केबाज निकहत जरीन और बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू शामिल हैं। टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल को वर्ष की पैरा महिला खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए चुना गया। भारतीय महिला हॉकी टीम के पूर्व कप्तान प्रीतम सिवाच को बीबीसी जीवन पर्यंत उपलब्धि पुरस्कार दिया गया।

नोवाक जोकोविच ने परीबस ओपन से नाम वापिस लिया

इंडियन वेल्स ,06 मार्च 2023। कोरोना का टीका लगवाये बिना अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच ने बीएनपी परीबस ओपन टेनिस से नाम वापिस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने यह घोषणा की। टूर्नामेंट बुधवार से शुरू होकर 19 मार्च तक चलेगा।
अमेरिका में कोरोना से जुड़े प्रतिबंध 11 मई को खत्म होंगे जिसके बाद विदेशी यात्री टीके के बिना भी यहां आ सकेंगे। जोकोविच के बाहर होने से निकोलोज बासिलाश्विली को खेलने का मौका मिला है।

लिवरपूल ने मैनचेस्टर युनाइटेड को 7- 0 से रौंदा

लिवरपूल ,06 मार्च 2023। लिवरपूल ने प्रीमियर लीग के अहम मुकाबले में मैनचेस्टर युनाइटेड को 7 . 0 से हराया जो पिछले 90 साल में उसकी सबसे खराब हार रही। इससे पहले 1931 में उसे वोल्वेरम्पटन ने इसी अंतर से हराया था। वहीं लिवरपूल की युनाइटेड के खिलाफ यह सबसे बड़ी जीत थी। इससे पहले उसने सबसे बड़ी जीत 1895 में दर्ज की थी जब युनाइटेड को 7 . 1 से हराया था।

अब 20 बार की चैम्पियन युनाइटेड तीसरे स्थान पर है और शीर्ष पर काबिज आर्सनल से 14 अंक पीछे है। चौथे स्थान पर टोटेनहम के युनाइटेड से तीन ही अंक कम है। लिवरपूल के लिये कोडी गाकपो, डारविन नुनेज और मोहम्मद सालाह ने दो दो गोल किये जबकि राबर्टो फर्मिनो ने एक गोल दागा।

चौथे टेस्ट में भी कप्तान होंगे स्मिथ

ऑस्ट्रेलियाई पीएम के साथ पहले दिन का मैच देखेंगे मोदी

अहमदाबाद ,06 मार्च 2023। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेली जा रही है। चौथा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला 9 मार्च से शुरू हो रहा है। अब तक इस श्रृंखला में तीन मुकाबले खेले गए हैं। भारत शुरुआती दो मुकाबले जीतकर श्रृंखला में 2-1 से आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने इंदौर में भारत को शर्मनाक तरीके से हराया था। इन सबके बीच खबर यह है कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस और नरेंद्र मोदी चौथे टेस्ट मैच को देखने के लिए अहमदाबाद पहुंचेंगे। दोनों नेता पहले दिन का खेल देखेंगे। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री 8 से 11 मार्च तक भारत के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच क्रिकेट डिप्लोमेसी भी देखने को मिलेगी।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया के नियमित कप्तान पैट कमिंस फिलहाल भारत लौटते नजर नहीं आ रहे हैं। यही कारण है कि चौथे मुकाबले में भी अनुभवी कप्तान स्टीव स्मिथ ही कप्तानी करते दिखाई देंगे। दरअसल, पैट कमिंस की मां की तबीयत खराब है। इसी कारण वाह दिल्ली टेस्ट के बाद स्वदेश लौट गए थे। अभी भी उनकी मां की तबीयत खराब है। ऐसे में चौथे टेस्ट से पहले उनका भारत में लौटना मुश्किल है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने बताया कि कमिंस अब भी सिडनी में ही हैं। आखिरी टेस्ट के बाद तीन वनडे मैच खेले जाने हैं और कमिंस के खेलने को लेकर फैसला बाद में होगा। स्मिथ की कप्तानी में आस्ट्रेलिया ने इंदौर टेस्ट नौ विकेट से जीता था। भारत श्रृंखला में 2 . 1 से आगे है और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई करने के लिये उसे आखिरी टेस्ट जीतना ही होगा।
आस्ट्रेलिया जून में लंदन में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिये क्वालीफाई कर चुका है। स्मिथ ने इंदौर टेस्ट के बाद कहा कि उन्होंने कप्तानी का पूरा मजा लिया लेकिन यह कमिंस की टीम है। उन्होंने कहा ,''मेरा समय निकल गया। अब यह पैट की टीम है। उसे कठिन हालात में घर जाना पड़ा। हमारी संवेदनायें उसके साथ हैं।'' उन्होंने कहा ,'' मुझे भारत में कप्तानी करना पसंद है। हर गेंद रोमांचक होती है और काफी मजा आता है।'' वेबसाइट ने यह भी बताया कि 17 मार्च से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला के लिये चोटिल झाय रिचर्डसन की जगह नाथन एलिस टीम में होंगे।

क्वेटा को हराकर इस्लामाबाद पीएसएल प्लेआफ में

रावलपिंडी ,06 मार्च 2023। हरफनमौला फहीम अशरफ ने आखिरी ओवर में लगातार तीन चौके लगाये जिसकी मदद से इस्लामाबाद युनाइटेड ने क्वेटा ग्लेडिएटर्स को दो विकेट से हराकर पाकिस्तान सुपर लीग के प्लेआफ में प्रवेश कर लिया। क्वेटा ने छह विकेट पर 179 रन बनाये थे जिसके जवाब में इस्लामाबाद को आखिरी ओवर में नौ रन चाहिये थे। अशरफ 39 रन बनाकर नाबाद रहे जिन्होंने तेज गेंदबाज ओडियन स्मिथ को पहली तीन गेंद पर तीन चौके लगाये। इस्लामाबाद ने तीन गेंद बाकी रहते आठ विकेट पर 183 रन बनाये।

इस्लामाबाद की यह सात मैचों में पांचवीं जीत है और वह लाहौर कलंदर्स के बाद दूसरे स्थान पर है। कलंदर्स प्लेआफ के लिये क्वालीफाई करने वाली पहली टीम थी। वहीं क्वेटा सात मैचों में महज दो अंक लेकर बाहर होने की कगार पर है। क्वेटा के लिये नजीबुल्लाह जदरान ने 34 गेंद में 59 रन बनाये जबकि मोहम्मद नवाज ने 44 गेंद में 52 रन की पारी खेली। वहीं इस्लामाबाद के लिये कोलिन मुनरो ने 29 गेंद में 63 रन बनाये जिसमें चार छक्के और पांच चौके शामिल थे।

एनरिच नोर्त्जे दूसरे टेस्ट से बाहर

केप टाउन ,06 मार्च 2023। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नार्जे को पहले टेस्ट के दौरान हल्के ग्रोइन असुविधा का अनुभव करने के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था।
वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में खेलने वाले नॉर्टजे को दक्षिण अफ्रीका की मेडिकल टीम द्वारा किए गए आकलन के बाद एहतियात के तौर पर आराम करने के लिए कहा गया है। नॉर्टजे ने पहले गेम में 5/36 और 1/48 रन बनाए, जिसे प्रोटियाज ने 87 रन से जीता।
दो मैचों की श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है लेकिन पहले मैच में जीत के बावजूद दक्षिण अफ्रीका 7 जून को ओवल में होने वाले अंतिम टेस्ट की दौड़ से बाहर हो गया है। तेज गेंदबाज के

लिए किसी प्रतिस्थापन का नाम नहीं लिया गया है। दक्षिण अफ्रीका टीम में अन्य गति विकल्पों में कगिसो रबाडा, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मार्को जानसन और वियान मूल्डर शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच चार्ल लैंगवेल्ट को भी पारिवारिक कारणों से टीम से बाहर कर दिया गया था। वेस्ट इंडीज के खिलाफ सेंचुरियन में पहला टेस्ट उनकी भूमिका में आखिरी था।
वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम~ टेम्बा बावुमा, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मूल्डर, सेनुरान मुथुसामी, कीगन पीटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन .
दक्षिण अफ्रीका 8 मार्च से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में वांडरर्स में जोहान्सबर्ग में वेस्टइंडीज से खेलेगा।

यूपी वारियर्स ने रोमांचक मुकाबले में गुजरात जायंट्स को 3 विकेट से दी मात

मुम्बई ,06 मार्च 2023। विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे मैच में यूपी वारियर्स ने गुजरात जायंट्स को 3 विकेट से हरा दिया। डॉ डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में खेले गए मैच में गुजरात ने पहले खेलते हुए हरलीन देओल के 46 रन की पारी की मदद से 169/6 का स्कोर बनाया। जवाब में यूपी ने किरण नवगिरे (53) और ग्रेस हैरिस (59*) की पारियों की बदौलत 19.5 ओवर में लक्ष्य हासिल किया।
पहले खेलते हुए गुजरात ने 74 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए। इसके बाद एश्ले गार्डनर और हरलीन ने 44 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। अंत में हेमलता ने 13 गेंदों में नाबाद 21 रन बनाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा दिया। जवाब में यूपी ने 20 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए। मुश्किल घड़ी में किरण नवगिरे ने अर्धशतक लगाया। अंत में हैरिस ने 26 गेंदों में 59* रन बनाकर जीत दिलाई।
नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए हरलीन ने शुरुआत में समझदारी से बल्लेबाजी की। उन्होंने लगातार गिर रहे विकेटों के बीच एश्ले गार्डनर के साथ मिलकर पांचवे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। गार्डनर 19 गेंदों में 25 रन बनाए। पारी के 17वें ओवर में हरलीन ने देविका वैद्य के खिलाफ लगातार 4 चौके लगाए। अच्छी बल्लेबाजी कर रही हरलीन अर्धशतक से चूक गई और 32 गेंद में 46 रन बनाकर आउट हो गई।
यूपी की ओर से पारी की शुरुआत करने आई किरण नवगिरे ने 40 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। अपने अर्धशतक तक पहुंचने के लिए उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के का सहारा लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए नवगिरे 43 गेंदों में 53 रन बनाकर आउट हुई। वह आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी के लिए जानी जाती है। गुजरात की कसी हुई गेंदबाजी के सामने आज उनका स्ट्राइक रेट 123 का रहा। मुश्किल घड़ी में बल्लेबाजी के लिए आई हैरिस ने 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसमें 7 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 26 गेंदों में 59 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को हारा हुआ मैच जिता दिया।

कब्जा के ट्रेलर ने दिखाया दम

वर्ष 2023 में भारतीय सिनेमा के लिए बेहतरीन रहने की उम्मीद है। इसकी शुरूआत वरिसु, वॉटेयर वीरैय्या, वीर नरसिम्हा रेड्डी और हिन्दी फिल्म पठान से हो चुकी है। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस को अब तक लगभग 2000 करोड़ का कारोबार देने में सफलता प्राप्त की है। भारतीय सिनेमा को विश्व स्तर पर प्रसिद्धि दिलाने में क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों का बहुत बड़ा योगदान है। इस वर्ष ऑस्कर की दौड़ में राजामौली की आरआरआर शामिल है। यह मूल रूप से दक्षिण भाषा में बनी फिल्म थी। इस वर्ष भी दक्षिण से कई बेहतरीन फिल्मों का आना अभी बाकी है। इन्हीं फिल्मों में शामिल है है कब्जा, जिसे केजीएफ 2 और कांतारा जैसी शानदार फिल्में देने वाली कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री ने ही प्रोड्यूस किया है। फिल्म के निर्माता श्री सिद्धेश्वरा एंटरप्राइजेट और

अलंकार पांडियन हैं। कन्नड़ सुपरस्टार उपेंद्र, शिवा राजकुमार, किच्चा सुदीप और श्रेया सरन स्टारर इस फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। फिल्म का ट्रेलर काफी हद तक केजीएफ 2 की याद दिलाता है। ये एक्शन सीन्स से भरपूर है और आजादी से पहले के दौर की कहानी दिखाता है। ट्रेलर में सत्ता की लड़ाई की कहानी दिखाई गई है। साथ ही दबे कुचले लोगों का सत्ता के साथ संघर्ष ही इस फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने वाला है। इस फिल्म को मेकर्स वैश्विक स्तर पर 17 मार्च को प्रदर्शित करने जा रहे हैं। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में एक साथ प्रदर्शित किया जाएगा। इस फिल्म के हिंदी वर्जन को अशोक पंडित और आर चंद्रू ने को-प्रोड्यूस किया है।

सोफिया ने गिराया साड़ी का पल्लू

सोशल मीडिया सेंसेशन सोफिया अंसारी हमेशा अपनी बोल्ड फोटोज और वीडियोज के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में रहती हैं। आए दिन अपनी कातिलाना अदाओं से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। हाल ही में सोफिया ने अपनी लेटेस्ट एथनिक लुक में तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो बेहद ही दिलकश अदाएं बिखेरती हुई फैंस के बीच कहर बरपा रही हैं। सोफिया अंसारी ने लेटेस्ट तस्वीरों में ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कहर बरपा रहीं हैं। सोशल मीडिया पर वो आए दिन अपनी दिलकश अदाओं से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। हाल ही में इंटरनेट सेंसेशन सोफिया अंसारी ने अपनी पतली कमर फ्लॉन्ट करते हुए बेहद ही हॉट फोटोज क्लिक करवाई हैं। सोफिया जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा हैं। उनकी इन तस्वीरों को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 2 लाख से भी ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। कुछ यूजर्स उनकी इन तस्वीरों में कॉमेंट्स के जरिए भी अपना प्यार लूटा रहे हैं। एक यूजर ने सोफिया अंसारी की तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- आपकी हॉटनेस देख लड़कों के होश उड़ गए हैं तो वहीं अन्य यूजर ने लिखा- आप बेहद ही हॉट हैं। बता दें कि सोफिया का ये देसी लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है जिसकी वजह से वो एक बार फिर से चर्चाओं का विषय बन गई हैं।

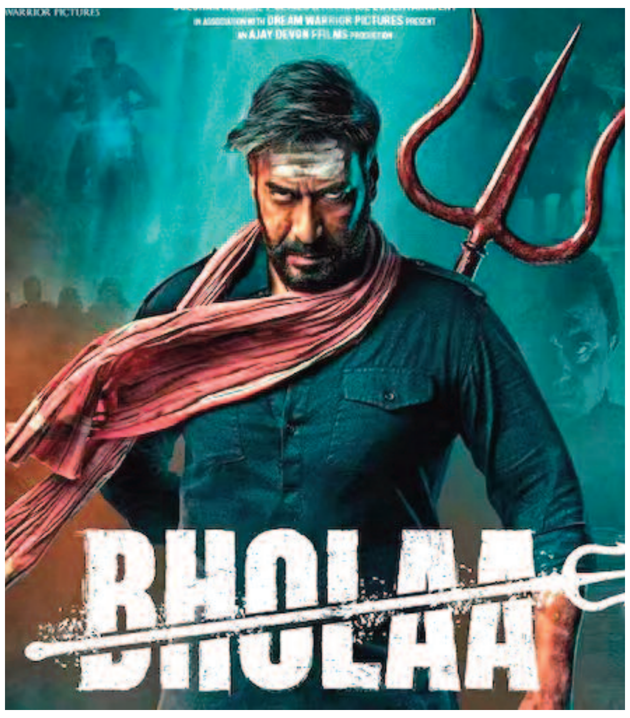

खतरनाक एक्शन दृश्यों से भरपूर होगी भोला : अजय देवगन

गत वर्ष बतौर निर्देशक रनवे 34 लेकर आने वाले अजय देवगन इन दिनों अपने निर्देशन में बनी फिल्म भोला को प्रदर्शित करने की अन्तिम तैयारियों में हैं। यह फिल्म इस माह की 30 तारीख को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। अजय देवगन की भोला दक्षिण की ब्लॉकबस्टर फिल्म कैथी का आधिकारिक हिन्दी रीमेक है, जिसे लोकेश कनगराज ने निर्देशित किया था।
हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में अजय देवगन ने कहा कि दर्शकों को भोला में हटकर स्टंट देखने को मिलेंगे। फिल्म का ट्रेलर 3डी में रिलीज होने के लिए तैयार है और पहली बार किसी हिंदी फिल्म का ट्रेलर आईमैक्स फॉर्मेट में लॉन्च किया जाएगा। इसलिए, दर्शकों में ट्रेलर को लेकर खासा उत्साह है। गौरतलब है कि अजय देवगन निर्देशित यह फिल्म 3डी के साथ-साथ ऑइमैक्स फार्मेट में भी लांच होगी। शाहरुख खान की पठान को भी ऑइमैक्स फार्मेट में प्रदर्शित किया गया था।
अजय देवगन ने कहा, मैं चाहता हूं कि लोग एक्शन देखें और इसके बारे में कुछ भी कहने से पहले वाइब को महसूस करें। उनका कहना था कि फिल्म ग्रामीण भारत पर आधारित है। इसमें फाइटर्स खतरनाक हैं। एक्शन को एक नया आयाम देने के लिए खूब मेहनत की गई है। मैं अपने पिता वीरू देवगन की देखरेख में नए एक्शन करते हुए बड़ा हुआ हूं और मुझे स्टंट करते वक्त सामने आती चुनौतियां पसंद हैं।

CMYK

कस्टम मिलिंग और पीएम आवास पर पक्ष-विपक्ष ने सदन में मचाया हंगामा

» अजय चंद्राकर ने दागे सवाल

» इधर शिवरतन ने मंत्री अकबर को घेरा

रायपुर,06 मार्च 2023(ए)। विधानसभा बजट सत्र के पांचवे दिन पीएम आवास को लेकर अजय चंद्राकर सवाल दागे। मंत्री डहरिया के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने बहिर्गमन किया। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, सौरभ सिंह, अजय चंद्राकर ने पीएम आवास के संबंध में जानकारी मांगी। डहरिया ने कहा कि केंद्र सरकार को प्रस्ताव दिया जाता है, उसके आधार पर आवास स्वीकृत होता है। पहले काम प्रारंभ होता है। जिओ टैगिंग होती है, उसके बाद 25 प्रतिशत राशि स्वीकृत करने का प्रावधान है।
सौरभ सिंह ने आरोप लगाया कि 200 मकान स्वीकृत हैं. काम शुरू हो चुका है, लेकिन राशि नहीं दी जा रही है. उन्होंने प्रकरण की जांच की मांग की.
नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि पहले गरीबों से पैसे लिए जाते हैं, उसके बाद सीएमओ राशि स्वीकृत करता है.इस मामले में विपक्ष की ओर से जांच की मांग की जा रही थी, लेकिन मंत्री की ओर से जवाब नहीं आया तो विपक्ष ने बहिर्गमन कर दिया.
पीएम आवास मामले में चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों द्वारा टोकाटाकी करने पर धरमलाल कौशिक ने आपत्ति जताई. धर्मजीत सिंह ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक में टोकाटाकी की ट्रेनिंग दी जाती है।
वहीं बीजेपी विधायक शिवरतन शर्मा ने विधानसभा में कस्टम मिलिंग की राशि के भुगतान का मामला उठाया। शिवरतन शर्मा ने कस्टम मिलिंग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। प्रति क्विंटल 20 रु के वसूली के आरोप पर सदन में हंगामा हो गया। सत्तापक्ष ने की विलोपित करने की मांग की।
सवाल के जवाब में मंत्री मो अकबर ने कस्टम मिलिंग के लिए भुगतान की समय सीमा की बाध्यता नहीं होने की जानकारी दी। वर्तमान में करीब 181.47 करोड़ का भुगतान शेष है। भुगतान बाकी रहने के पीछे भ्रष्टाचार को विपक्ष बता रहा वजह है। मंत्री मोहम्मद अकबर सदन में भ्रष्टाचार के आरोप के सबूत मांगे। जब तक भ्रष्टाचार का सबूत नहीं देंगे तब तक आगे की कार्रवाई नहीं चलेगी । इस मुद्दे पर लगातार हंगामा होता रहा।

परीविक्षाधीन कर्मचारियों को अपनी बात रखने का पूरा अधिकारः हाई कोर्ट

दोषारोपण के साथ सेवा से हटाया जाता है तो पूर्ण जांच एवं सुनवाई का अवसर दिया जाना है...यह कर्मचारी का अधिकार भी बनता है...

बिलासपुर , 06 मार्च 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर हाई कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि परीविक्षाधीन कर्मचारियों को अपना पक्ष शासन के समक्ष रखने का अधिकार है। सेवा से हटाने से पहले उनका पक्ष सुना जाना चाहिए। बिना सुनवाई कर्मचारी की सेवामुक्ति का आदेश उचित नहीं है। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के न्याय दृष्टांत का हवाला देते हुए शासन के आदेश को रद कर दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सेवा में बहाल करने का निर्देश शासन को दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि राज्य शासन चाहे तो नियमानुसार विभागीय जांच की कार्रवाई प्रारंभ करने के लिए स्वतंत्र है।
अरविंद कुमार तिवारी ने अपने अधिवक्ता अजय श्रीवास्तव के जरिए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा है कि उसकी नियुक्ति व्याख्याता अंग्रेजी के रूप में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अंतागढ़ जिला दक्षिण बस्तर कांकेर में दो वर्ष की परीवीक्षा अधीन 25 नवंबर 2011 को हुई थी। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा है कि सेवाकाल के दौरान उसे छात्रों के हित के विपरीत कार्य करने के लिए प्रबंधन द्वारा लगातार दबाव डाला जा रहा है। उसने ऐसा करने से इन्कार कर दिया। उसकी मनाही के बाद प्रबंधन नाराज रहने लगा और सेवा से हटाने हेतु विभिन्न् आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। नोटिस का उसने जिसका विधिवत जवाब पेश किया था। किंतु जवाब पर विधिवत जांच एवं विचार किये बिना उसे सेवा से हटा दिया गया।
इस आदेश के खिलाफ आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग में अपील पेशकी थी। परीविक्षाधीन कर्मचारियों को अपील करने का अधिकार ना होने की बात कहते हुए आयुक्त ने अपील पर सुनवाई से इन्कार कर दिया और सेवा बर्खास्तगी के आदेश को उचित ठहरा दिया। मामले की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे के सिंगल बेंच में हुई। प्रकरण की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अजय श्रीवास्तव ने पैरवी करते हुए कहा कि सामान्य परिस्थिति में परीविक्षाधीन कर्मचारी को सेवा से हटाने के पूर्व सुनवाई का अधिकार नहीं है। किंतु यदि दोषारोपण के साथ सेवा से हटाया जाता है तो पूर्ण जांच एवं सुनवाई का अवसर दिया जाना है। यह कर्मचारी का अधिकार भी बनता है। मामले की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे के सिंगल बेंच में हुई। जस्टिस दुबे ने सर्वोच्च न्यायालय के न्याय दृष्टांत का हवाला देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को दोषारोपण के साथ सेवा से हटाया गया है एवं उनके द्वारा दिये गये जवाब को भी विचार में नहीं लिया गया। कर्मचारी पर दोषारोपण करते हुए सेवा से हटाया जाता है तो उसे अपनी बात रखने और पक्ष रखने का अवसर दिया जाना आवश्यक है। संबंधित मामले में याचिकाकर्ता को बिना किसी जांच और उनका पक्ष सुने एकतरफा कार्रवाई करना न्यायोचित नहीं है। लिहाजा सेवा से हटाने के आदेश को निरस्त किया जाता है। याचिकाकर्ता को सेवा में बहाल करने का आदेश देते हुए कोर्ट ने कहा कि बहाली के बाद शासन चाहे तो याचिकाकर्ता के खिलाफ विभागीय जांच की प्रक्रिया प्रारंभ कर सकता है।

हाईकोर्ट से अमन सिंह की अग्रिम जमानत खारिज

» आय से अधिक संपत्ति केस,

बिलासपुर , 06 मार्च 2023(ए)। आय से अधिक संपत्ति केस में पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह के पूर्व प्रमुख सचिव अमन सिंह की अग्रिम जमानत याचिका सोमवार को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने निचली अदालत में जाने के लिए कहा है। बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के प्रमुख सचिव रहे आईआरएस अधिकारी अमन सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की एकल पीठ में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि प्रकरण की तुरंत सुनवाई की जरूरत नहीं दिखती है। उन्होंने पहले निचली अदालत में जाने के लिए कहा है। बताया गया कि सामाजिक कार्यकर्ता उचित शर्मा ने आईआरएस अधिकारी व उनकी पत्नी के खिलाफ शासन में शिकायत की थी। इसमें अमन सिंह पर पद का दुरुपयोग करने, भ्रष्टाचार, आय से अधिक संपत्ति, मनी लॉड्रिंग, फॉरेन इंवेस्टमेंट और चिप्स में तैनाती के दौरान अनियमिता बरतने के आरोप लगाए गए हैं।
वहीं, उनकी पत्नी यास्मिन सिंह के खिलाफ उनकी संविदा नियुक्ति, इस दौरान जरूरत से ज्यादा भुगतान करने की शिकायत की गई। इसके बाद राज्य सरकार की ओर से इसकी जांच ईओडब्ल्यू को सौंप दी गई। हाईकोर्ट ने पहले अमन सिंह को क्लीनचिट दी थी, और एफआईआर को निरस्त कर दिया था। बाद में याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, और कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को पलट दिया।

अमन सिंह से ईओडब्ल्यू दफ्तर में हुई पूछताछ

आय से अधिक संपत्ति केस में पूर्व सीएम रमन सिंह के पूर्व पीएस अमन सिंह से सोमवार को तेलीबांधा ईओडब्ल्यू दफ्तर में लंबी पूछताछ हुई। बताया गया कि दो दिन पहले ही ईओडब्ल्यू ने नोटिस जारी कर अमन सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया था। अमन सिंह ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन भी लगाया था, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद करीब 12 बजे ईओडब्ल्यू दफ्तर पहुंचे, और ईओडब्ल्यू-एसीबी के अफसरों ने संपत्ति को लेकर पूछताछ की।

कातिल पति ने अपने ही पत्नी को 5 टुकड़ों में काटा

बॉडी को टेप से लपेटकर पानी टैंक में डाला, ऐसे खुला राज

बिलासपुर,06 मार्च 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी में हुए खौफनाक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. यहां आरोपी पति घर में स्नङ्कह्न5द्व फिल्म की तरह नोटों की छपाई कर रहा था और उसे खपा रहा था. लेकिन उसकी इस फर्जी खेल में पत्नी रोड़ा बन रही थी. जिसके बाद पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दिया और ग्राइंडर कटर मशीन से मृतिका के हांथ पैर को काटकर लाश को जलाने का प्रयास किया. इस मामले खुलासा तब हुआ जब नकली नोट की सूचना पर पुलिस ने रेड कार्रवाई की. वहीं पुलिस ने 200 और 500 के नकली नोट भी जब्त किया है. यह मामला सकरी थाना क्षेत्र का है.
जानकारी के अनुसार, पुलिस को 5 मार्च को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति पवन सिंह ठाकुर निवासी गीतांजली नगर उसलापुर के घर में नकली नोट बनाकर उपयोग करने, खपा रहा है. इसकी सूचना पर पुलिस की टीम ने रेड कार्रवाई की. जहां आरोपी पवन सिंह ठाकुर के घर से नकली नोट छापने का कलर प्रिंटर मशीन, रिफिल काटरेज, जिराक्स पेपर, कलर, 200 एवं 500 का नकली नोट एवं अन्य सामाग्री मिला। वहीं घर की तलाशी लेने पर बाथरूम के बगल कमरे में रखे एक सफेद रंग के जंबो पानी टंकी में क्षत विक्षत लाश मिली.
इस मामले में पुलिस ने आरोपी पवन सिंह से पूछताछ की तो उसने बताया कि 06 जनवरी 2023 को सुबह करीब 06.00 बजे के आसपास अपनी पत्नि की गला घोटकर हत्या कर दिया था और लाश को छिपाने के लिये बाजार से एक सफेद रंग का सिंटेक्स पानी टंकी एवं एक ग्राइंडर,कटर मशीन को खरीदकर अपनी पत्नि के लाश को छिपाने के लिए ग्राइंडर मशीन से पैर हांथ को अलग-अलग काटकर दोनों हाथ पैर को जलाने का प्रयास किया. वहीं जलाने के कारण बदबू होने से डर के वह दोनों हाथ पैर को उठाकर पॉलिथिन एवं सेलोटेप से लपेटकर अपने घर के ही कमरे में गद्दे में लपेटकर रख लिया एवं धड़ को पानी टंकी में डालकर पॉलिथिन से ढककर ढक्कन को बंद कर दिया.

इस वजह से की पत्नी की हत्या

आरोपी ने हत्या करने के कारण के संबंध में पूछताछ में बताया कि अपने द्वारा संचालित नकली नोट छापने एवं बेचने के कारोबार में बाधा डालने तथा चरित्र शंका के कारण अपनी पत्नि सती साहू उम्र 28 साल की हत्या करना स्वीकार किया.
वहीं आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर कथन लिया गया और उसके आधार पर आरोपी के कब्जे से उसके घर से नकली नोट छापने का कलर प्रिंटर मशीन, रिफिल काटरेज, जेरॉक्स पेपर, कलर, 200 एवं 500 का नकली नोट एवं असली नोट, एक नग ग्राइंडर कटर मशीन व अन्य सामाग्री जब्त किया गया. इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को अभिरक्षा में लेकर न्यायालय के सक्षम रिमाण्ड के लिए पेश किया है.

विधायक देवेंद्र यादव से आज ईडी दफ्तर में होगी पूछताछ

रायपुर , 06 मार्च 2023(ए)। रायपुर ईडी के दफ्तर से भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव को समन भेजकर 7 मार्च को कार्यालय बुलाया गया है। यह भी लिखा है कि अगर वो वहां उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाए हैं कि ईडी की ओर से उन्हें डराने, दबाने और फंसाने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि कभी नहीं हो सकता है। वो डरने वालों में से नहीं हैं। ईडी के सहायक निदेशक निर्मल झरवाल ने उन्हें समन भेजा है। उन्होंने 20 फरवरी और 1 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया था। विधायक ने उपस्थित न हो पाने में असमर्थता जताई थी। इसलिए फिर से ये समन भेजा जा गया। इस बारे में जब देवेंद्र यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में सभी कांग्रेस के नेताओं को भाजपा जानबूझ कर ईडी के माध्यम से परेशान कर रही है। पिछली कार्रवाई में उन्हें अब तक कुछ नहीं मिला है। ये जो समन आया है उससे वो डरते नहीं हैं। जो हमसे जानकारी चाहिए उसमें वो पूरा सहयोग करेंगे। लेकिन अगर कोई हमें डराने, दबाने या फंसाने की कोशिश करेगा तो उसका विरोध भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री बघेल ने विधानसभा अध्यक्ष महंत सहित सबको होली की बधाई दी

» संसदीय सचिव और विधायकों ने फाग गाकर जमाया रंग

रायपुर , 06 मार्च 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत आज छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में विधायक क्लब व संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'होली मिलन समारोह' में शामिल हुए.
संसदीय सचिव और विधायकों ने रंग-गुलाल की फुहारों के बीच होली मिलन समारोह में फाग गीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर होली का रंग जमाया.
मुख्यमंत्री बघेल ने उपस्थित सभी लोगों को रंगों के त्योहार होली की हार्दिक बधाई देते हुए उन्हें अबीर और गुलाल के रंग लगाए. इस अवसर पर सांसद ज्योत्सना महंत, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, चन्द्रदेव राय, यूडी मिंज शामिल हुए.इनके अलावा कुंवर सिंह निषाद, अंबिका सिंहदेव, डॉ. रश्मि आशीष सिंह, शकुंतला साहू और गुरुदयाल बंजारे, विधायक रामकुमार यादव, गुलाब कमरो, भुनेश्वर बघेल, अनिता योगेंद्र शर्मा, संगीता सिन्हा, केशव प्रसाद चंद्रा व छत्तीसगढ़ विधानसभा के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

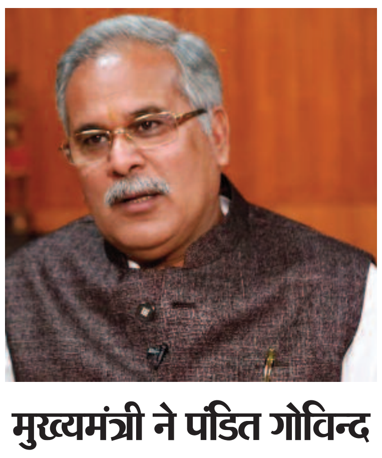

मुख्यमंत्री ने पंडित गोविन्द वल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर , 06 मार्च 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारत के पूर्व गृह मंत्री, उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और विद्वान वकील पंडित गोविंद वल्लभ पंत की 7 मार्च पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने कहा है कि पंडित पंत जी ने स्वाधीनता आंदोलनों को गति देने के साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पैरवी और रिहाई के लिए काम किया। भारत की स्वतंत्रता के बाद भी राष्ट्र निर्माण में पंत जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्यों को भाषायी आधार पर विभक्त करने तथा हिन्दी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठा दिलाने में उनका योगदान हमेशा याद किया जाता रहेगा।

नर्सिंग होम व क्लीनिक में कर्मचारी बरत रहे लापरवाही

» मरीजों के जीवन से हो रहा है खिलवाड़

-अमन शर्मा-

रायपुर,06 मार्च 2023(ए)। राजधानी में 652 प्राइवेट अस्पताल, नर्सिंग होम व क्लीनिक बिना लाइसेंस के संचालित हो रहे हैं। बावजूद कार्रवाई करने के जिला स्वास्थ्य विभाग सिर्फ नोटिस देकर खानापूर्ति कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जिन प्राइवेट अस्पतालों को लाइसेंस नहीं मिला है। इनके द्वारा नियम का पालन नहीं करने की वजह से फायर व पर्यावरण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं मिला है।

राजनीतिक पहुंच से कार्रवाई नहीं

वहीं नर्सिंग होम एक्ट के तहत कई अन्य नियमों का पालन नहीं नहीं किया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे अस्पतालों की सूची बनाकर उन्हें नोटिस जारी किया गया, लेकिन कार्रवाई नहीं की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि कई अस्पतालो द्वारा कार्रवाई रूकवाने राजनीतिक पहुंच का फायदा उठाया जा रहा है। वहीं निरीक्षण करने वाले कुछ अधिकारियों के सांठ-गांठ से अस्पताल कार्रवाई से बचे हुए हैं।

फायर सेफ्टी की भी व्यवस्था नहीं

हालांकि मामले को लेकर जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने नियम का उल्लंघन करने वालों पर नियम के तहत कठोर कार्रवाई की बात कही है। इधर कई अस्पताल, नर्सिंग होम आवासीय परिसर में संचालित हो रहे हैं। ऐसे में फायर सेफ्टी समेत कई तरह की व्यवस्थाएं नहीं हो पा रही है। इसके चलते इन संस्थानों को लाइसेंस मिलने में बाधा आ रही है।

जिले में 1332 अस्पताल व नर्सिंग होम

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि रायपुर जिले में कुल 1332 चिकित्सा संस्थान संचालित हो रहे हैं। इसमें से प्राइवेट अस्पतालों की संख्या 321 है। वहीं 799 क्लीनिक व 212 लैब संचालित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने 680 को लाइसेंस दिया गया है। इसमें 171 प्राइवेट अस्पताल व नर्सिंग होम, 417 क्लीनिक व 92 लैब शामिल है। जबकि 652 संस्थान बिना लाइसेंस संचालित हो रहे हैं।

मेडिकल वेस्ट के डंपिंग को लेकर सख्ती होने के बाद भी नगर निगम और प्रदूषण मंडल की कार्रवाई मात्र औपचारिकता तक सीमित हो गई है। जानकारों की माने तो प्रदूषण मंडल और नगर निगम अस्पतालों से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट की बिना जांच पड़ताल किए पैसा लेकर हॉस्पिटलों को प्रदूषण मुक्ति प्रमाणपत्र बांट रहा है। जबकि नियम यह है कि कचरा डंपिंग और मेडिकल वेस्ट निर्धारित स्थल पर नहीं करने पर 5 लाख तक जुर्माना है जिसे लाख-दो लाख लेकर नगर निगम और प्रदूषण मंडल के स्वच्छता निरीक्षकों ने लोगों को जहरीली हवा में सांस लेने के लिए छोड़ दिया है। हॉस्पिटल के निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थो के डंपिग के प्रावधान में स्पष्ट उल्लेख है कि इसे आम नागरिकों से दूर रखा जाए । ताकि नष्टीकरण से होने वाले जहरीले धुंए और प्रदूषित रसायनिक द्रव्य लोगों को सीधे इफेक्ट नहीं कर सके। उसके बाद भी मेडिकल वेस्ट का नष्टीकरण के लिए कोई निर्धारित जगह नहीं है। यदा-कदा जहां कही भी उन्हें डंप करने की छूट प्रदूषण मंडल और नगर निगम ने एनओसी देकर जहरीले प्रदूषण को आम नागरिकों को सांसों के जरिए धीमा जहर दे रहा है। राजधानी के अस्पतालों से रोजाना निकलने वाला मेडिकल वेस्ट की मात्रा 5-10 ट्रक है। जिसे कहां खपाया जाता है आज तक किसी को पता नहीं है। जहां सामान्य कचरा डंपिंग किया जाता उसी के आसपास मेडिकल वेस्ट डंप कर स्वस्थ लोगों को बीमारी के मुहाने पर खड़े कर दिया है। जहां राजधानी का हर खास और आम नागरिक मेडिकल वेस्ट और कचरों से चारों तरफ से सराबोर है। शहर सरकार कितना भी स्वच्छता अभियान और स्मार्ट सिटी बनाने के लिए पापड़ बेल ले, जब तक कचरों और मेडिकल वेस्ट की शहर में उपस्थिति रहेगी तब तक राजधानी में कोई भी स्वस्थ नहीं रह सकेगा। जिस पर नगर निगम और प्रदूषण मंडल को कड़ाई का रूख अख्तियार करना होगा नहीं तो ऐसे ही औपचारिकता का खेल पैसे लेकर चलता रहेगा। इस तवाही

होली में बारिश का साया!

» मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रायपुर,06 मार्च 2023(ए)। होली से पहले मौसम विभाग ने बारिश अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक 7 मार्च तक देश के कई राज्यों मौसम का मिजाज भी बदल सकता है। इसका असर छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में देखने को मिलेगा ।
वेदर के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान, पश्चिमी हिमालय पर एक या दो मध्यम बारिश हो सकती है। पश्चिमी हिमालय और सिक्किम के कुछ हिस्सों में हिमपात भी संभव है। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में एक-दो जगहों पर बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

इस वजह से हो सकती है बारिश

मौसम एजेंसी के मुताबिक, एक पश्चिमी विक्षोभ के पश्चिमी हिमालय को प्रभावित करने की संभावना है। एक उत्तर दक्षिण ट्रफ राजस्थान से उत्तर मध्य महाराष्ट्र की ओर चल रही है। निचले स्तरों में एक प्रेरित चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र गुजरात और उससे सटे राजस्थान पर बना हुआ है।
भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार
होली रंगों का तथा हँसी-खुशी का त्योहार है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है, जो आज विश्वभर में मनाया जाने लगा है। रंगों का त्यौहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता है। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहाँ भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)